राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, 31 जुलाई 2022 वर्ष-5, अंक-186 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश व धर्म की रक्षा के लिए प्रेरणापुंज है सिख गुरुओं का बलिदान-सीएम योगी

लखनऊ। सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हमें अपने धर्म, अपनी संस्कृति, परंपरा तथा राष्ट्र की अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए प्रेरित करता है। 9वें सिख गुरु तेग बहादुर जी के 401वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में सिख गुरुओं के प्रति अपने श्रद्धाभाव को प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने सिख समाज के त्याग, बलिदान की परंपरा, धर्म के प्रति समर्पण और समाज के प्रति सेवाभाव को भी नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश और धर्म की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले सिख पंथ को समाज के लिए महान प्रेरणा बताया है। उन्होंने कहा है कि गुरुनानक देव ने जिस विशुद्ध भक्ति धारा को प्रवाहित किया था, जब भी देश, समाज और धर्म को जरूरत पड़ी, तो इसे क्रांति पुंज बनने में देर नहीं लगी। सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हमें अपने धर्म, अपनी संस्कृति, परंपरा तथा राष्ट्र की अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए प्रेरित करता है। 9वें सिख गुरु तेग बहादुर जी के 401वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में सिख गुरुओं के प्रति अपने श्रद्धाभाव को प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने सिख समाज के त्याग, बलिदान की परंपरा, धर्म के प्रति समर्पण और समाज के प्रति सेवाभाव को भी नमन किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के सानिध्य में गुरु तेग बहादुर जी के 401वें प्रकाश पर्व के आयोजन पर सभी को बधाई देते हुए सीएम ने सिख परंपरा को इतिहास में उचित स्थान न मिलने पर रोष भी जताया। उन्होंने कहा कि आज हम मंगल ग्रह तक पहुंच रहे हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स की बात हो रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ दुनिया काफी आगे बढ़ गई है, लेकिन हमें अपने इतिहास को भी याद रखना होगा, क्योंकि इतिहास को भुलाकर कोई समाज कभी आगे नहीं बढ़ सकता।

'लोगों को अदालतों से उम्मीद', पीएम मोदी बोले- न्यायिक अवसंरचना को मजबूत करने के लिए तेज गति से हुआ काम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रथम अखिल भारतीय ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बैठक के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि देश आजादी के 75 साल पूरे कर रहा है। यह देश के विकास के लिए संकल्प लेने का यह असर है। उन्होंने कहा कि देश के लिए न्याय बहुत महत्वपूर्ण है और यही कारण है कि लोगों को देश की अदालतों से उम्मीद भी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जीवन में सुगमता के लिए न्याय जरूरी है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समय हमारी आजादी के अमृतकाल का समय है। ये समय उन संकल्पों का समय है जो अगले 25 वर्षों में देश को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। देश की इस अमृतयात्रा में व्यापार करने में आसानी और जीवन में आसानी की तरह ही न्याय की आसानी भी उतनी ही जरूरी हैं।

लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सब यहां संविधान के विशेषज्ञ और जानकार हैं। हमारे संविधान के आर्टिकल 39A, जो Directive principal of state policy के अंतर्गत आता है, उसने लीगल एड को बहुत प्राथमिकता दी है। मोदी ने कहा कि न्याय का ये भरोसा हर देशवासी को ये एहसास दिलाता है कि देश की व्यवस्थाएं उसके अधिकारों की रक्षा कर रही हैं। इसी सोच के साथ देश ने राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण की स्थापना भी की। ताकि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी न्याय का अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के लिए न्याय प्रणाली तक पहुँच जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी न्याय वितरण भी है। इसमें एक अहम योगदान न्यायिक अवसंरचना का भी होता है। पिछले आठ वर्षों में देश के न्यायिक अवसंरचना को मजबूत करने के लिए तेज गति से काम हुआ है। इसे आधुनिक बनाने के लिए 9,000 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं।

देश के लिए न्याय बहुत महत्वपूर्ण है और यही कारण है कि लोगों को देश की अदालतों से उम्मीद भी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जीवन में सुगमता के लिए न्याय जरूरी है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समय हमारी आजादी के अमृतकाल का समय है। ये समय उन संकल्पों का समय है जो अगले 25 वर्षों में देश को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। देश की इस अमृतयात्रा में व्यापार करने में आसानी और जीवन में आसानी की तरह ही न्याय की आसानी भी उतनी ही जरूरी हैं।

अपने संबोधन में मोदी ने यह भी कहा कि ई-कोर्ट मिशन के तहत देश में आभासी अदालतें शुरू की जा रही हैं। यातायात उल्लंघन जैसे अपराधों के लिए 24 घंटे चलने वाली अदालतों ने काम करना शुरू कर दिया है। लोगों की सुविधा के लिए अदालतों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इनफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक आम नागरिक संविधान में अपने अधिकारों से परिचित हो, अपने कर्तव्यों से परिचित हो, उसे अपने संविधान, और संवैधानिक संरचनाओं की जानकारी हो, नियम और उपचार की जानकारी हो, इसमें भी टेक्नोलॉजी एक बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल का ये समय हमारे लिए कर्तव्य काल का समय है। हमें ऐसे सभी क्षेत्रों पर काम करना होगा, जो अभी तक उपेक्षित रहे हैं।

इस मौके पर भारत के मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और केंद्रीय क़ानून मंत्री किरण रिजिजू भी मौजूद रहे। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना ने कहा कि हमारी असली ताकत युवाओं में है। दुनिया के 1/5 युवा भारत में रहते हैं। कुशल श्रमिक हमारे कार्यबल का केवल 3त्न हैं। हमें अपने देश के कौशल बल का उपयोग करने की आवश्यकता है और भारत अब वैश्विक अंतर को भर रहा है। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक न्याय वितरण तंत्र का अनुसरण नहीं कर सकते। न्याय तक पहुंच सामाजिक मुक्ति का एक साधन है। अगर आज हम न्याय के साथ लोगों के दरवाजे तक पहुंच पाए हैं, तो हमें योग्य न्यायाधीशों, उत्साही अधिवक्ताओं और सरकारों को धन्यवाद देना होगा। वहीं, क़ानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज पहली बार अखिल भारतीय ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण की बैठक दिल्ली में हो रही है। हमारे देश में जन जन तक न्याय की अंतिम मील तक पहुंच आज भी एक बहुत बड़ी चुनौती है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी, 1.6 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत में होगी बढ़ोतरी

मुंबई। देश की पहली 'हाई स्पीट रेल' या फिर कहें कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम जारी है। अहमदाबाद से मुंबई के बीच प्रस्तावित 1.6 लाख करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में देरी की आशंका है। ऐसे में इसे पूरा करने में अनुमानित लागत सीमा पार हो सकती है। मालूम हो कि कोरोना वायरस महामारी और भूमि अधिग्रहण में आई दिक्कतों के चलते यह देरी हो रही है। 2015 में हुए स्टडी में यह अनुमान लगाया गया था कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को पूरा करने में 1.8 लाख करोड़ रुपये का खर्चा आ सकता है। लेकिन अब यानी कि 2022 में कई सारी चीजें बदल गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भूमि अधिग्रहण में अनुमान से ज्यादा धन खर्च हुआ है। साथ ही सीमेंट, स्टील और अन्य कच्चा माल की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का कहना है कि प्रोजेक्ट के लिए

नई लागत की जानकारी अभी नहीं दी जा सकती है। भूमि अधिग्रहण का काम और सभी कॉन्ट्रैक्ट्स पूरे होने के बाद ही इसकी घोषणा की जा सकेगी। 508 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की शुरुआती डेडलाइन 2022 ही थी। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि केवल दादर और नागर हवेली में ही अब तक 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण हो सका है। प्रोजेक्ट के लिए गुजरात में भूमि अधिग्रहण का काम 98.9% और महाराष्ट्र में 73% पूरा हुआ है। केंद्र सरकार का कहना है कि महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में लग रहा समय ही प्रोजेक्ट में हो रही देरी का मुख्य कारण है।

दिल्ली में वीकेंड पर मौसम हुआ सुहाना, जमकर हुई बारिश, कई राज्यों में भी अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के अलावा आज उत्तर प्रदेश में भी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और बिहार में भी बारिश की संभावना जताई गई है। कर्नाटक के कई हिस्सों में भी लगातार बारिश का दौर जारी है। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों में भी बारिश देखने को मिल रही है। दिल्ली एनसीआर में लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। शनिवार को सुबह सवेरे दिल्ली में खूब बारिश हुई। बारिश की वजह से दिल्ली एनसीआर का मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले एक-दो दिनों में दिल्ली में ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने तो न्यूनतम तापमान को 25 डिग्री और अधिकतम तापमान 33 डिग्री रिकॉर्ड दर्ज किए जाने की भी बात कही है। दिल्ली में सुबह सवेरे बारिश की वजह से कई इलाकों में जलजमाव भी देखने को मिला। वहीं, बच्चों को स्कूल जाने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ा। आने वाले दिनों में भी दिल्ली का मौसम खुशनुमा रहने का अनुमान जताया गया है। दिल्ली के अलावा आज उत्तर प्रदेश में भी

बारिश की संभावना है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और बिहार में भी बारिश की संभावना जताई गई है। कर्नाटक के कई हिस्सों में भी लगातार बारिश का दौर जारी है। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों में भी बारिश देखने को मिल रही है। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में बारिश की वजह से पहाड़ियों से आ रहे मलबे और पत्थरों के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 58 को बंद कर दिया गया है। शुक्रवार देर रात गुरुग्राम में भी जमकर बारिश हुई है। इसकी वजह से कई जगह जाम की भी स्थिति पैदा होग गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से नदी नालों के किनारे जाने से बचने की हिदायत दी जा रही है। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश की वजह से नदी और नालों में पानी का बहाव बढ़ गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने पहले कहा था कि 'मानसून ट्रफ' (कम दबाव के क्षेत्र) के ''धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ते रहने'' की संभावना है और इस कारण बुधवार से उत्तर भारत में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जबकि सापेक्षिक आर्द्रता 95 प्रतिशत से 74 प्रतिशत के बीच रही। मौसम विभाग ने शनिवार को आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहने और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

बारामूला के वानीगाम में छिपे थे आतंकवादी, सेना ने एनकाउंटर में एक को किया ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई लगातार जारी है। आज सुबह-सुबह बारामूला जिले के वानीगाम बाला इलाके में एक मुठभेड़ शुरू हो गई थी। पुलिस और सुरक्षा बल आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। समचार मिलने तक सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में एक आतंकवादी को ढेर कर दिया है। फिलहाल गोलीबारी रुक गई है। मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस ने इसकी जानकारी दी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारत से पिता के पास अमेरिका जाएगा बेटा, कस्टडी पर भारतीय मां को दिया यह निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बेंगलुरु की एक महिला को उसके बेटे की कस्टडी पिता को सौंपने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बेंगलुरु की एक महिला से कहा है कि वह अपने 11 वर्षीय बेटे के हित और भलाई को देखते हुए उसे उसके पिता को सौंप दे और उसका अमेरिका चला जाना सुनिश्चत करे। बता दें कि महिला का पूर्व पति अमेरिका का नागरिक है।

सुप्रीम कोर्ट ने की बच्चे की कस्टडी को लेकर टिप्पणी

जस्टिस एएम खानविलकर और सीटी रविकुमार की पीठ ने कर्नाटक हाई कोर्ट का निर्णय रद करते हुए यह आदेश दिया है। पीठ की ओर से आदेश लिखते हुए जस्टिस रविकुमार ने कहा-जिस बच्चे पर दोनों पक्ष दावा कर रहे हैं, वह लड़का है। वह 11

साल का है और स्वाभाविक रूप से अमेरिका का नागरिक है। उसके पास अमेरिकी पासपोर्ट है। इन पहलुओं पर हाई कोर्ट ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया।

अमेरिका में हुआ था बच्चे का जन्म

शीर्ष अदालत ने इस बात पर ध्यान दिया कि बच्चे का जन्म तीन फरवरी, 2011 को अमेरिका में हुआ था। वह 2020 तक वहीं रहा। हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते समय इस बात पर विचार नहीं किया कि बच्चे की भलाई किसमें है? सुप्रीम कोर्ट ने मां को निर्देश देते हुए कहा कि उनकी इसी में भलाई है कि वह अपने 11 वर्षीय बेटे के हित को देखते हुए उसे उसके पिता को सौंप दें।

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चे के सरनेम तय करने का दिया था मां को अधिकार

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के एक आदेश को खारिज कर दिया था। जिसमें कहा गया था कि बच्चे के पिता की मौत के बाद सौतेले पिता का सरनेम बच्चे के नाम में इस्तेमाल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा था कि बच्चे के बॉयोलॉजिकल पिता की मौत के बाद उसका सरनेम तय करने का अधिकार उसकी मां को होगा। क्योंकि वही उसकी एक मात्र अभिवाभक है।

दिल्ली में अभी लागू नहीं होगी नई आबकारी नीति, बवाल के बाद बैकफुट पर केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली में नई आबकारी नीति को लेकर बवाल लगातार जारी है। नई शराब नीति में अनियमितताओं को लेकर उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। दिल्ली सरकार की ओर से इसके खिलाफ खूब हो-हल्ला भी किया जा रहा है। हालांकि, कहीं ना कहीं दिल्ली की केजरीवाल सरकार इस मामले को लेकर अब बैकफुट पर दिखाई दे रही है। यही कारण है कि फिलहाल दिल्ली में नई आबकारी नीति को लागू नहीं किया जा रहा है। खबर के मुताबिक दिल्ली सरकार को नई आबकारी नीति लागू होने तक 6 महीने की अवधि के लिए पुरानी आबकारी नीति की व्यवस्था को वापस करने का निर्देश दिया गया है। आपको बता दें कि दिल्ली में आबकारी नीति 2021-22 को 31 मार्च के बाद से दो बार दो 2 महीने के लिए बढ़ाया जा चुका है। यह 31 जुलाई को खत्म हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली में फिलहाल आबकारी नीति 2022-23 पर काम किया जा रहा है। दिल्ली में आबकारी विभाग का प्रभार संभाल रहे उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने नई नीति के आने तक 6 महीने के लिए आबकारी की पुरानी व्यवस्था पर ही

लौटने का निर्देश दिया है। केजरीवाल सरकार का यह फैसला नई आबकारी नीति के क्रियान्वयन में अनियमितता की जांच की सिफारिश के बाद लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक आबकारी विभाग अब भी आबकारी नीति 2022-23 पर काम कर रहा है जिसमें शराब घर तक पहुंचाने एवं कई अन्य सिफारिशें हैं। उनके अनुसार इस मसौदा नीति को अभी उपराज्यपाल वी के सक्सेना के पास नहीं भेजा गया है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस लगातार अरविंद केजरीवाल नीत सरकार द्वारा नयी आबकारी नीति के क्रियान्वयन में अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन कर रही है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि शहर में शराब की दुकानों की भरमार करके आप सरकार ने दिल्ली को 'नशे की राजधानी' में बदल दिया है। खबर तो यह भी है कि दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने समूह एकाधिकार को बढ़ावा देने और शराब के लाइसेंस के लिए काली सूची में डाली गई कंपनियों का पक्ष लेने के आरोपों पर मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी है। मामला आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आबकारी नीति 2021-22 से जुड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है। - विनोबा भावे

संपादकीय

अमित शाहः शिक्षा में क्रांति

(लेखक–डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारत के गृहमंत्री अमित शाह जिस मर्दानगी से शिक्षा में भारतीय भाषाओं के माध्यम का समर्थन कर रहे हैं, आज तक वैसी मर्दानगी मैंने भारत के किसी प्रधानमंत्री या शिक्षा मंत्री में भी नहीं देखी। यह ठीक है कि मैकाले की गुलामी से भारतीय शिक्षा को मुक्त करवाने का प्रयत्न मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, त्रिगुण सेन, डॉ. जोशी, भागवत झा आजाद और प्रो. शेरसिंह–जैसे शिक्षा मंत्रियों ने जरुर किया है लेकिन अमित शाह ने अंग्रेजी के वर्चस्व के खिलाफ मोर्चा ही खोल दिया है। वे अंग्रेजी की अनिवार्यता के खिलाफ महर्षि दयानंद, गांधी, लोहिया या मेरी तरह नहीं बोल रहे हैं लेकिन वे जो कुछ बोल रहे हैं, उसका अर्थ यही है कि देश की शिक्षा पद्धति में क्रांतिकारी परिवर्तन होना चाहिए। इसका पहला कदम यह है कि देश में डाक्टरी, वकीली, इंजीनियरी, विज्ञान, गणित आदि की पढ़ाई का माध्यम मातृभाषाएं या भारतीय भाषाएं ही होना चाहिए। क्यों होना चाहिए? क्योंकि अमित शाह कहते हैं कि देश के 95 प्रतिशत बच्चे अपनी प्रारंभिक पढ़ाई स्वभाषा के माध्यम से करते हैं। सिर्फ पांच प्रतिशत बच्चे, निजी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ते हैं? ये किनके बच्चे होते हैं? मालदार लोगों, नेताओं, बड़े अफसरों और ऊँची जातिवालों के बच्चे ही मोटी–मोटी फीस भरकर इन स्कूलों में जा पाते हैं। अमित शाह की चिंता उन 95 प्रतिशत बच्चों के लिए हैं, जो गरीब हैं, ग्रामीण हैं, पिछड़े हैं और अल्पसंख्यक हैं। ये बच्चे आगे जाकर सबसे ज्यादा फेल होते हैं। ये ही पढ़ाई अधबीच में छोड़कर भाग खड़े होते हैं। बेरोजगारी के शिकार भी ये ही सबसे ज्यादा होते हैं। यदि केंद्र की भाजपा सरकार राज्यों को प्रेरित कर सके तो वे अपनी शिक्षा उनकी अपनी भाषाओं में शुरु कर सकती हैं। 10 राज्यों ने केंद्र से सहमति व्यक्त की है। अब 'जी' और 'नीट' की परीक्षाएं भी 12 भाषाओं में होंगी। केंद्र अपनी भाषा–नीति राज्यों के लिए अनिवार्य नहीं कर सकता है लेकिन भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं? वे अपने राज्यों की सभी पार्टियों के नेताओं से शिक्षा में क्रांति लाने का आग्रह क्यों नहीं करते? गैर–भाजपाई राज्यों से अमित शाह बात कर रहे हैं। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं और शिक्षा मंत्री भी उनसे बात करें तो यह क्रांतिकारी कदम शीघ्र ही अमल में लाया जा सकता है। मध्यप्रदेश की सरकार तो सितंबर से डाक्टरी की पढ़ाई हिंदी में शुरु कर ही रही है। सिर्फ नई शिक्षा नीति की घोषणा कर देना काफी नहीं है। पिछले 8 साल में बातें बहुत हुई हैं, शिक्षा और चिकित्सा में सुधार की लेकिन अभी तक ठोस उपलब्धि निर्गुण और निराकार ही है। यदि देश की शिक्षा और चिकित्सा को मोदी सरकार औपनिवेशिक गुलामी से मुक्त कर सकी तो उसे दशकों तक याद किया जाएगा। भारत को महासंपन्न और महाशक्ति बनने से कोई रोक नहीं पाएगा।

(लेखक, भारतीय भाषा सम्मेलन के अध्यक्ष हैं)

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व है श्रावणी तीज

(लेखक – रमेश सर्राफ धमोरा)

(31 जुलाई तीज पर विशेष)

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी–भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यत: महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने–कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़–पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े–बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहंदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है।

इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वत: ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश–भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर–पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे–गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे–गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे–गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व–त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुन: मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

तपती हवाओं से झुलसता यूरोप

शशांक द्विवेदी

पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता जा रहा है। एशिया के साथ–साथ पहली बार यूरोप भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहा है। गर्मी की वजह से ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार नेशनल इमरजेंसी की घोषणा करते हुए रेड वॉर्निंग जारी करनी पड़ी है। लंदन के ल्यूटन एयरपोर्ट की हवाई पट्टी गर्मी की वजह से पिघल गई और कई घंटों के लिए विमानों की आवाजाही को बंद करना पड़ा। फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन में गर्मी की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। ब्रिटेन के कई शहरों में स्कूल–कॉलेजों को गर्मी की वजह से बंद करना पड़ा है। यूरोप के जिन देशों ने कभी गर्मी नहीं झेली वे देश भी इस बार बढ़ते पारे से बेहाल हैं। फ्रांस, ग्रीस, पुर्तगाल, ब्रिटेन, स्पेन में पारा 40 के पार है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार यूरोप में चल रही हीटवेव, विशेष रूप से दक्षिण–पश्चिम क्षेत्रों में अफ्रीका से आने वाली गर्म हवाओं के कारण हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन इस हीटवेव की मुख्य वजह है। वहीं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी), जो कोयले, गैस और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाने से आता है, वो हीटवेव को अधिक गर्म और खतरनाक बना रहा है। पिछले दिनों पृथ्वी के दो सिरे कहे जाने वाले दक्षिणी ध्रुव और उत्तरी ध्रुव में तापमान में अचानक ऐसा उछाल आया कि सारे रिकॉर्ड टूट गए। अंटार्कटिक और आर्कटिक दोनों ही जगह तापमान में एकसाथ और अचानक रिकॉर्ड वृद्धि हुई। हाल में ही पूर्वी अंटार्कटिक में कुछ जगहों पर तापमान औसत से 40 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। इसी तरह अंटार्कटिक के वोस्तॉक स्टेशन पर तापमान 15 डिग्री से ज्यादा बढ़ गया। यही हाल धरती के दूसरे सिरे पर भी था, आर्कटिक पर मार्च के औसत तापमान में 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नॉर्वे और ग्रीनलैंड में भी गर्मी के नये प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स पिघल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की एक जलवायु वैज्ञानिक थॉमस के अनुसार हाल में हुई मानवीय गतिविधियों ने ग्लोबल वार्मिंग को तेज कर दिया है और इसकी वजह से अंटार्कटिका में बड़े पैमाने पर बर्फ पिघल सकती है। वास्तव में दोनों जगहों पर एक साथ एक जैसी घटना अकल्पनीय लगती है क्योंकि इन दोनों जगहों की प्रकृति एकदम भिन्न प्रकार की है। ऐसे समय में अंटार्कटिक पर दिन लगातार छोटे होते हैं और सर्दी बहुत अधिक होनी चाहिए। ठीक उसी वक्त आर्कटिक सर्दी से बाहर निकल रहा होता है। यहां एकदम उलटे मौसम हैं, उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव को एक साथ, एक समय पर पिघलते नहीं देखते। लेकिन इस बार ऐसा हुआ है तो यह पूरी दुनिया के लिए एक खतरे की घंटी है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जाने वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। हिमालय अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद ग्लेशियर का तीसरा सबसे बड़ा सोर्स है। वैज्ञानिकों के अनुसार 400 से 700 साल पहले के मुकाबले पिछले कुछ दशकों में हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघले हैं। यह गतिविधि साल 2000 के बाद ज्यादा बढ़ी है। साइन्स जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए एक शोध के अनुसार इससे एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के किनारे रहने वाले करोड़ों भारतीयों पर पानी का संकट आ सकता है। वैज्ञानिकों की टीम ने लिटल आइस एज के दौरान हिमालय की स्थिति का पुनर्निर्माण किया। उन्होंने 14,798 ग्लेशियर की बर्फ की सतहों और आकार को सैटेलाइट की तस्वीरों से जांचा। इससे पता चला कि आज हिमालय के ग्लेशियर अपना 40 प्रतिशत हिस्सा खो चुके हैं। इनका दायरा 28,000 वर्ग किलोमीटर से घटकर 19,600 वर्ग किलोमीटर पहुंच गया है। रिसर्च में शोधकर्ताओं ने पाया कि अब तक हिमालय में 390 से 580 वर्ग किलोमीटर बर्फ पिघल चुकी है। इस कारण समुद्र का जलस्तर 0.03 से 0.05 इंच तक बढ़ गया है। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार, अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी

तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पॉवर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल–पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। लंदन, मुंबई, मियामी, सिडनी जैसे शहर पूरी तरह से महासागरों के अंदर आ जाएंगे। इन ग्लेशियर के भीतर बड़ी मात्रा में खतरनाक वायरस पिछले हजारों सालों से दफन हैं। वे विकट महामारी देश–दुनिया में ला सकते हैं। भारी मात्रा में जैव–विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी।

कई विशेषज्ञों का यह तक कहना है कि ग्लेशियर पिघलने का प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा। इससे पृथ्वी के दिन का समय थोड़ा ज्यादा बढ़ जाएगा। पीने लायक 69 प्रतिशत पानी ग्लेशियर के भीतर जमा हुआ है। उसके पिघलने पर ये शुद्ध पानी भी साल्ट वाटर में मिलकर पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। अभी भी हमारे पास बहुत वक्त है। हमें प्रकृति और विकास के साथ संतुलन बनाना होगा।

आज के कार्टुन

हुनरमंद बुनकर

जग्गी वासुदेव

एक समय था जब लगभग सारी दुनिया भारत में बनें वस्त्र पहनने की इच्छुक थी क्योंकि भारत में सबसे अच्छे वस्त्र बनते थे। इसके सबूत आज भी सीरिया, मिस्र की प्राचीन जगहों पर आप को मिल सकते हैं। आज भी जब बात वस्त्रों की होती है, तो दुनिया में ऐसा और कोई स्थान नहीं है जहां इतनी सारी बुनाइयां हैं, और कपड़ा रंगने और बनाने के इतने तरीके हैं, जितने हमारी संस्कृति में हैं। लेकिन हमारी स्वतंत्रता से लगभग 200 साल पहले के समय के दौरान, अंग्रेजों ने मैनचेस्टर के अपने कपड़े के कारखानों को चलाने के लिए व्यवस्थित ढंग से भारत के वस्त्र उद्योग को नष्ट कर दिया था। 1800 से 1860 के बीच के 60 वर्षो में भारत का वस्त्र निर्यात 94% कम हो गया था। 1830 में एक ब्रिटिश गवर्नर जनरल ने कहा था, 'बुनकरों की हड्डियों से भारत के मैदानी इलाके सफेद हो गए हैं' क्योंकि लाखों बुनकर मर गए थे। जो भी हो, हमारे पास आज भी कौशल है। भारत में 120 से भी ज्यादा बुनाइयां हैं। मैं जब 17 साल का था, मैंने कुछ समय अपने चाचा के साथ बिताया था, जहां हजारों रेशमी साड़ियां बुनी जाती थीं। हजारों धागे, बहुत बारीकी और कलात्मक ढंग से ज्यामितीय नमूनों में बुने जाते थे। वे जब बुन रहे होते थे तो उनके मन में हजारों गणनाएं चल रही होती थीं, और मैं कपड़े पर जादुई ढंग से उभरते फूलों को देख रहा होता था। हमें वैसे कपड़े पहनने चाहिए जो हमें आराम से रहने दें। आप अपने कपड़े बस 3 दिन के लिए बदल दें, और वैसे कपड़े पहन लें जो सन, पटसन, कपास या हेम्प से बने हों और देखिए, कैसा महसूस होता है। आप का शरीर स्वाभाविक रूप से आराम में आ जाएगा। इस अर्थ में यह भी महत्त्वपूर्ण है कि आप जो कपड़े पहन रहे हैं, वे जैविक यानी ऑर्गनिक हों। लेकिन सारी दुनिया में पहने जाने वाले कपड़ों का 60 प्रतिशत भाग पोलीफाइबर (रासायनिक पदार्थ) से बनता है। अनुमान है कि एक दशक के अंदर लगभग 98 प्रतिशत कपड़ा सिंथेटिक होगा। धरती पर सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाली चीजों में फैशन दूसरे नम्बर पर आता है। सूक्ष्म कणों के रूप में पोलिफाइबर हमारे शरीर में आ रहा है, हमारी मिट्टी और पानी को विषाक्त कर रहा है और हमारे भोजन चक्र में भी प्रवेश कर रहा है।

सू-दोकू नवताल -2177

	9	4		3	6			7
8	7		1		5			
		2				3		4
	6		9		2			5
3								9
2			6		3		1	
7		6				8		
			5		8		7	3
9			7	2		5	6	

सू-दोकू -2176 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2177

1		2		■	3	■	4	■	5
	■		■	6					
7				■		■		■	
■	■		■	8			■	9	
10		■	11	■		■	12	■	
	■	13			■	14		■	■
■	15		■	■	16			■	17
18			■	19	■		■	20	
21		■	22				23		
24					■	25			■

बायें से दायें:-

1. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका चोपड़ा की 'आंखें बंद करके' गीत वाली फिल्म–4
6. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ बच्चन, लक्ष्मी छाया की फिल्म–2,1,3
7. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म–4
8. 'अब तेरे दिल में आ गए हम' गीत वाली अक्षय कुमार, माधुरी दीक्षित की फिल्म–3
9. गुरु दत्त, वहीदा रहमान की 'जाने वो कैसे लोग थे जिनके प्यार को प्यार मिला' गीत वाली फिल्म–2
10. 'अगर मैं कहूं' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म–2
13. फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की 'तेरे चेहरे में वो जादू है तेरी ओर खिंचा आता हूं' गीत वाली फिल्म–3
14. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म–2
15. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म–2
16. 'शबनम का ये कतरा है' गीत वाली राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म–3
18. प्रदीप कुमार, मीना कुमारी की 'कभी तो मिलेगी कहीं तो मिलेगी बहारों की मंजिल' गीत वाली फिल्म–3
20. 'ओढ़ के अंधेरा मैं जो' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म–2
21. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी?–2
22. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की 'दिल की महफिल सजी है चले आइये' गीत वाली फिल्म–2,2,3
24. 'पिघलता हुआ' गीत वाली आरिफजकारिया, शाहबाज, किरण खेर, तब्बू, रीता गांगुली की फिल्म–5
25. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे ये बात किसी से मत कहना' गीत वाली फिल्म–3

ऊपर से नीचे:-

1. 'बेचैन मेरा दिल है' गीत वाली मिथुन, जॉन अब्राहम, अर्जुन रामपाल, राहुल खन्ना, मनीषा, लारा दत्ता की फिल्म–3
2. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की 'शहरों की गलियों में जब अंधेरा' गीत वाली फिल्म–2,2
3. 'ये वक्त ना खो जाये' गीत वाली जीतेंद्र, रेखा, शबाना आजमी की फिल्म–2,2,1
4. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी तो जमीं पर आ' गीत वाली फिल्म–3
5. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म–2,1,2
10. सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली फिल्म–2
11. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ श्रीदेवी, पूनम ढिल्लो की फिल्म–2
12. गोविंदा, करिश्मा कपूर की 'सिलसिला शुरू हुआ यहां से वहां तक' गीत वाली फिल्म–3
13. 'खुदा भी आसमां से जब जमीं पर देखता होगा' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वहीदा की फिल्म–3
14. जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली फिल्म–2,3
15. गोविंदा, आदित्य पंचोली, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म–4
17. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म–3
18. अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म–3
19. 'मेरा दिल भी कितना पागल है' गीत वाली संजय दत्त, सलमान खान, माधुरी की फिल्म–3
20. संजीव कुमार, शशि कपूर, वहीदा रहमान, पूनम ढिल्लो की फिल्म–3
22. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म–2
23. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म–2

फिल्म वर्ग पहेली-2176

वि	द्या	बा	ल	न	■	आ	शि	क	■
वा	■	द	■	ज	मी	न	■	शि	वा
ह	मे	शा	■	श	ना	■	जो	श	■
■	■	ह	सी	ना	■	का	शी	■	डॉ
इ	श्क	■	मा	■	ना	■	ले	कि	न
श्क	■	शै	■	श	श	बी	■	ला	■
वि	धा	ता	■	बा	ज	■	फि	■	आ
श्क	■	न	का	ब	■	ना	जा	य	ज
■	फ	■	ल	■	दा	दा	■	हू	■
टा	र्ज	न	■	सं	ता	न	■	दी	पा

दुबई प्रोपर्टी बाजार में तेजी

दुबई । दुबई में निवेशकों की बढ़ती रूचि के बाद के इस वर्ष की पहली छमाही में संपत्ति बाजार में उछाल आया है। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद अमीरात में धन की आवक बढ़ी है और सम्पत्ति खरीदारों की सूची में रूस पहले पांच स्थानों में शामिल है। एक रिपोर्ट के मुतो बिक पहली छमाही में आवासीय अचल संपत्ति लेनदेन की मात्रा 60 प्रतिशत बढ़ी, जिसमें बेची गई संपत्तियों के मूल्य में 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अमेरिका ने मॉडर्ना के साथ किया करार

वॉशिंगटन । अमेरिकी सरकार ने कोविड-19 के अत्यधिक संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप को निशाना बनाने वाले मॉडर्ना की अगली पीढ़ी के टीके की 6.6 करोड़ खुराक खरीदने के लिए इस कंपनी के साथ एक करार किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते संघीय सरकार ने औषधि निर्माता फाइजर से इसी तरह के एक टीके की 10.5 करोड़ खुराक के लिए समझौता किया था। अमेरिका में कोविड का ओमीक्रोन स्वरूप पिछले साल दिसंबर से संक्रमण के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार रहा है। अब बीए.5 उपस्वरूप से देश में संक्रमण की व्यापक लहर आ गई है। हाल में राष्ट्रपति जो बाइडन भी संक्रमित हुए हैं। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री जेवियर बेसेरा ने एक बयान में कहा` कि कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमें सतर्क रहने और सर्वश्रेष्ठ टीकों तथा उपचार तक अमेरिकियों की पहुंच को विस्तारित करने की जरूरत है। करीब 26.1 करोड़ अमेरिकी नागरिकों को कोविड की कम से कम एक खुराक लगी है। वहीं देश में 10.8 करोड़ लोगों को एक बूस्टर खुराक दी गई है।

पंजाब में प्याज के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना होगी

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार ने संगरूर जिले के खीरी गांव में प्याज के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का फैसला लिया है। इस पहल का मकसद किसानों को पारंपरिक फसलों का विकल्प देना है। बागवानी मंत्री फौजा सिंह सारारी ने कहा कि पंजाब में नीदरलैंड के सहयोग से स्थापित होने वाला यह तीसरा उत्कृष्टता केंद्र होगा। सिंह ने कहा कि केंद्र का उद्देश्य प्याज की खेती में नवीनतम तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के साथ ही दो-फसल प्रणाली के पारंपरिक चक्र को तोड़ना है।

आरबीआई अगले हफ्ते बढ़ा सकता है ब्याज दर: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अगले हफ्ते ब्याज दर 0.35 फीसदी बढ़ा सकता है। अमे रिका की एक ब्रोकरेज फर्म ने यह अनुमान जताया है। अगले हफ्ते आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक होने वाली है। फर्म ने एमपीसी की बैठक के पहले एक रिपोर्ट जारी की। इसमें उसने कहा है कि रेपो रेट में वृद्धि के साथ केंद्रीय बैंक अपने पॉलिसी स्टैंस में भी बदलाव करेगा। हर दो महीने पर एक बार आरबीआई की एमपीसी की बैठक होती है। इसमें इकोनॉमी की सेहत सहित दूसरे चीजों को देखते हुए आरबीआई अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा करता है। इससे पहले मई और जून में आरबीआई ने रेपो रेट में लगातार दो बार वृद्धि की थी। दो बार रेपो रेट में 0.90 फीसदी की वृद्धि की गई है, जिससे यह 4.90 फीसदी हो गया है। उसने तेजी से बढ़ते इनफ्लेशन को कंट्रोल में करने के लिए ऐसा किया था। पिछले कई महीनों से इनफ्लेशन आरबीआई के 6 फीसदी के टारगेट से ऊपर बना हुआ है। जून तिमाही में रिटेल इनफ्लेशन 7.01 फीसदी रहा। हालांकि यह मई में 7.04 फीसदी रिटेल इनफ्लेशन के मुकाबले थोड़ा कम है।

सेंसेक्स तीन दिन में 57 हजार के पार पहुंचा

- निवेशकों ने रोज कमाए 3 लाख करोड़

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार ने वर्ष 2022 की सबसे तेज बढ़त हासिल की है। विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ने से बाजार ने तीन दिन में ही जबरदस्त छलांग लगाई और 57 हजार के ऊपर पहुंच गया।

इस दौरान निवेशकों ने रोजाना 3 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कमाई की है। शेयर बाजार इस साल की शुरुआत से ही दबाव में दिख रहा था और फरवरी में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से इसमें लगातार गिरावट बनी हुई थी। जून में सेंसेक्‍ स गिरकर 51 हजार के आसपास आ गया था, लेकिन इसके बाद से बढ़त का सिलसिला शुरू हुआ और 29 जुलाई तक सेंसेक्‍ स करीब 6,000 अंकों की बढ़त बनाकर 57,570 पर बंद हुआ। पिछले तीन दिन में ही सेंसेक्‍ स ने 2,302 अंक की जोरदार बढ़त हासिल की है। इस सप्‍ ताह के अंतिम तीन कारोबारी सत्र में बाजार में आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति में भी 9,03,574 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण भी बढ़कर 2,66,58,604 करोड़ रुपये पहुंच गया।

विशेषज्ञ का कहना है कि कंपनियों के जून तिमाही के बेहतर नतीजों और वै श्विक बाजार में जारी तेजी का असर घरेलू बाजार पर भी दिखा है। साथ ही विदेशी निवेशकों ने भी इस महीने बाजार में पैसे लगाए, जिससे बढ़त बनाने में मदद मिली। विश्ले षकों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार अपने बुरे दौर से बाहर आ चुका है और आगे तेजी ही दिखाई दे रही है।

हालंकि, महंगाई और ग्लोबल मार्केट के दबाव से उतार-चढ़ाव जारी रहेगा लेकिन स्मॉलकैप में निवेश करने के लिए यह 10 साल में सबसे बेहतरीन मौका है। ऐसा लगता है कि स्मॉलकैप अगले कुछ महीने में जनवरी के अपने हाई स्तर को छू लेगा और एक साल के भीतर ही यह रिकॉर्ड स्तर पर जा सकता है।

स्पेक्ट्रम नीलामी पांचवें दिन भी जारी

नई दिल्ली ।

देश में 5जी स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नीलामी प्रक्रिया लगातार पांचवें दिन भी शनिवार को जारी है। अभी तक 1,49,855 करोड़ रुपये मूल्य की बोलियां लगाई जा चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि स्पेक्ट्रम के लिए कंपनियों के बीच जारी होड़ की वजह से नीलामी प्रक्रिया पांचवें दिन तक पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक दूरसंचार कंपनियों ने 24वें दौर की बोलियां लगाई हैं। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा था कि अभी तक नीलामी के लिए रखे गए कुल स्पेक्ट्रम का करीब 71 फीसदी हिस्सा बेचा जा चुका है। उन्होंने स्पेक्ट्रम नीलामी को कंपनियों से मिली प्रतिक्रिया पर संतोष भी जताया था। शुक्रवार तक 23 दौर की बोलियां लगाई गई थीं। इस दिन बोलियों के सात दौर पूरे हुए थे। दूरसंचार विभाग ने इस नीलामी में कुल 4.3 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 72 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की बिक्री की पेशकश की है। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के अलावा अडाणी एंटरप्राइजेज कंप नियां भी भाग ले रही हैं।

एटीएम :कार्ड पर मिलता है 5 लाख तक का नि: शुल्क दुर्घटना बीमा!

एटीएम कार्ड का उपयोग करने के 45 दिनों के भीतर कर सकते हैं मुआवजा के लिए क्लेम

नई दिल्ली ।

एटीएम कार्ड के पैसे निकालने और शॉपिंग के अलावा कुछ ऐसे फायदे मिलते हैं, जिनकी जानकारी ज्यादातर लोगों को नहीं होती है। एटीएम कार्ड होल्डर की मौत या दुर्घटना की स्थिति में यह आश्रितों का सहारा भी साबित हो सकता है। दरअसल, एटीएम कार्ड के साथ आपको फ्री में दुर्घटना बीमा मिल जाता है। किसी भी सरकारी या प्राइवेट बैंक का एटीएम आपके पास है तो आपका अपने आप ही दुर्घटना बीमा हो जाता है। ये बीमा 25 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक का होता है। हालांकि जानकारी के अभाव में ज्यादातर लोग यह बीमा क्लेम कर पाते हैं। एटीएम कार्ड की कैटेगरी के हिसाब से बीमा की रकम तय होती है। क्लासिक कार्ड पर एक लाख रुपये, प्लेटिनम कार्ड पर 2 लाख रुपये, सामान्य मास्टर कार्ड पर 50 हजार रुपये, प्लेटिनम मास्टर कार्ड पर 5 लाख रुपये और वीजा कार्ड पर 1.5 से 2 लाख रुपये तक बीमा कवरेज मिलता है। प्रधानमंत्री जन-धन अकाउंट्स पर मिलने वाले रूपे कार्ड के साथ ग्राहकों को 1 से 2 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज मिलता है। अगर किसी एटीएम कार्ड होल्डर की दुर्घटना में मौत हो जाती है तो कार्ड होल्डर के नॉमिनी को बैंक की उस ब्रांच में जाना होगा जहां उसका अकाउंट था और वहां पर मुआवजे को लेकर एक आवेदन देना होगा। बैंक में जरूरी दस्तावेज जमा करने के बाद नॉमिनी को बीमा का क्लेम मिल जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि बैंकों के एटीएम कार्ड का उपयोग करने के 45 दिनों के भीतर मौत या दुर्घटना होने पर बीमा पॉलिसी के तहत संबंधित व्यक्ति के आश्रित मुआवजा के लिए क्लेम कर सकते हैं।

मप्र-छग में 7.70 करोड़ मोबाइल ग्राहक, जियो पहले स्थान पर कायम: ट्राई

भोपाल ।

टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल के मोबाइल ग्राहकों के आंकड़े जारी कर दिए हैं। ट्राई के मुताबिक मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में रिलायंस जियो पहले स्थान पर कायम है। मई 2022 में मप्र-छग में मोबाइल ग्राहकों की संख्या 7.70 करोड़ हो गई है। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में जियो ने सर्वाधिक 3.94 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े। सर्किल में जियो के ग्राहकों की संख्या 3.61 करोड़ के पार पहुंच गई है। इस दौरान एयरटेल के मोबाइल ग्राहक मात्र 31.1 हजार बढ़कर 1.52 करोड़ हो गए। वोडाफोन आइडिया ने भी सिर्फ 79.7 हजार ग्राहक जोड़े हैं। मप्र-छग सर्किल में वोडा आइडिया के 1.98 करोड़ ग्राहक हैं। बीएसएनएल के ग्राहक 11.6 हजार घटकर 58.9 लाख हो गए। सर्किल में जियो का मार्केट शेयर 46.84त्न, वोडा आइडिया का 25.76 फीसदी, एयरटेल का 19.75 फीसदी और बीएसएनएल का 7.65 फीसदी है।

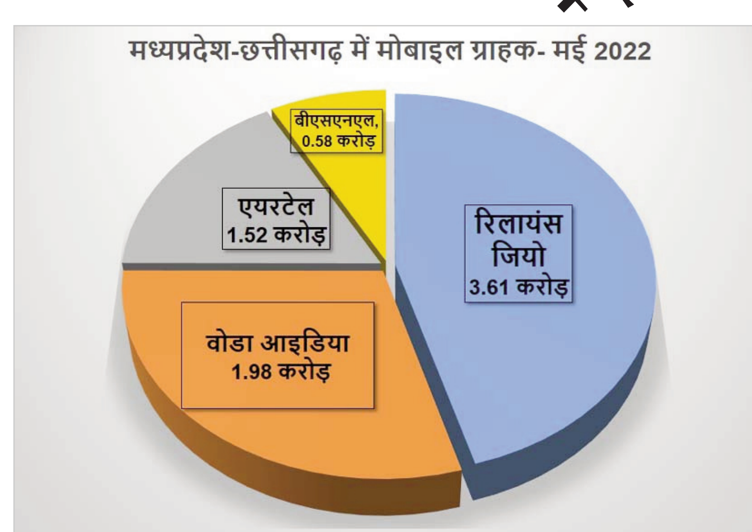

जियो मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ में फाइबर ब्रॉडबैंड ग्राहकों के मामले में भी पहले स्थान पर है। जियो फाइबर के ग्राहक 4 लाख के पार पहुंच चुके हैं। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक जियो ने मई में 20.6 हजार फाइबर ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े। सर्किल में अब जियो फाइबर के 4.24 लाख ग्राहक हैं। एयरटेल के मई में 3.6 लाख और बीएसएनएल के 2.73 लाख वायरलाइन ग्राहक हैं। मप्र-छग में भारती एयरटेल ने सिर्फ 1007 ब्रॉडबैंड वायरलाइन ग्राहक जोड़े। मई 2022 में पूरे देश में कुल 114.05 करोड़ मोबाइल ग्राहक हैं। इसमें जियो के 40.8 करोड़, एयरटेल के 36.2 करोड़, वोडा आइडिया के 25.8 करोड़ और बीएसएनएल के 11.27 करोड़ ग्राहक हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी की रही तेजी

- सेंसेक्स 712.46 अंक उछलकर 57,570.25 पर बंद / निफ्टी 228.65 अंक बढ़कर 17,158.25 पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड में लिवाली से बाजार में तेजी से बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी डेढ़ फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के अनुसार बेहतर तिमाही नतीजों, विदेशी संस्थागत निवेशकों की घरेलू बाजार में लिवाली और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के आने वाले दिनों में ब्याज दरों में धीमी गति से बढ़ोतरी की उम्मीद से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो पहले ` दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स सेंसेक्स 255.39 अंक टूटकर 55,816.84 पर खुला और 306.01 अंक के नुकसान के साथ 55,766.22 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 70.35 अंक गिरकर 16,649.10 पर खुला और 88.45 अंक की गिरावट के साथ 16,631 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 282.85 अंक के नुकसान के साथ 55,483.37 पर खुला और 497.73 अंक की गिरावट के साथ 55,268.49 पर बंद हुआ। निफ्टी 88.8 अंक गिरकर 16,542.20 पर खुला और 147.15 अंक की गिरावट के साथ 16,483.85 अंक पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 75 अंकों के नुकसान के साथ 55,193.49 पर खुला और 547.83 अंक की छलांग लगाते हुए 55,816.32 पर बंद हुआ। निफ्टी 33.6 अंकों की गिरावट के साथ 16,450.25 पर खुला और 157.95 अंक की बढ़त के साथ 16,641.80 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 542.18 अंक की बढ़त के साथ शुरुआती 56,358.50 पर खुला और ,041.47 अंक की मजबूती के साथ 56,857.79 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 147.45 अंकों की बढ़त के साथ 16,789.25 पर खुला और 287.80 अंक उछलकर 16,929.60 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 619.27 अंक की बढ़त के साथ शुरुआती कारोबार में 57,477.06. पर खुला और 712.46 अंक (1.25 फीसदी) उछलकर 57,570.25 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी भी 189.15 अंकों की बढ़त के साथ 17,118.75 पर खुला और 228.65 अंक (1.35 प्रतिशत) की तेजी के साथ 17,158.25 अंक पर बंद हुआ।

केवाईसी में गलत पता देने पर बंद हो जाएगा डीमैट अकाउंट: सेबी

- सेबी के नए नियम 31 अगस्त से लागू हो जाएंगे

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपर्याप्त केवाईसी के मामले में निवेशकों के ट्रेडिंग एवं डीमैट खातों को अपने आप निष्क्रिय करने के लिए नए नियम जारी किए। ये नियम 31 अगस्त से लागू हो जाएंगे। सेबी ने कहा है कि पता किसी भी केवाईसी का एक महत्वपूर्ण भाग है और इसे एकदम सही होना चाहिए। केवाईसी के तहत पते को समय-समय पर बिचौलिए के माध्यम से अपडेट किया जाना चाहिए लेकिन सेबी ने पाया है कि ऐसा नहीं हो रहा है। दरअसल, सेबी जब किसी कार्यवाही को लेकर डीमैट खाताधारकों को नोटिस भेजता है तो वे संबंधित खाताधारक तक पहुंचते ही नहीं है। अब नए नियमों के तहत मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशन (एमआईआई) जैसे शेयर मार्केट को संबंधित खाताधारक को कारण बताओ नोटिस या नियामक द्वारा जारी आदेश खुद पहुंचाना होगा। एमआईआई को 30 दिन के अंदर इस बात का सबूत सेबी के पास जमा करना होगा कि नोटिस संबंधित इकाई ने रिसीव कर लिया है. 30 में से पहला दिन उसे माना जाएगा जिस दिन एमआईआई को सेबी की ओर से नोटिस सर्व करने का निर्देश मिलेगा। जिस व्यक्ति को नोटिस मिलना है अगर एमआईआई ने उससे 30 दिन के अंदर कोई नोटिस प्राप्ति रशीद हासिल नहीं की तो उसके बाद 5 दिन के अंदर उसके सभी डीमैट अकाउंट बंद कर दिए जाएंगे। गौरतलब है कि प्राप्ति रशीद पर प्राप्तकर्ता के या उसके द्वारा अधिकृत किसी शख्स के हस्ताक्षर होने चाहिए। सेबी ने कहा है कि एमआईआई को उसके और संबंधित इकाई या शख्स के बिचौलिए तक इस बात की जानकारी पहुंचानी होगी कि उनका डीमैट अकाउंट बंद किया जा रहा है। साथ उन्हें

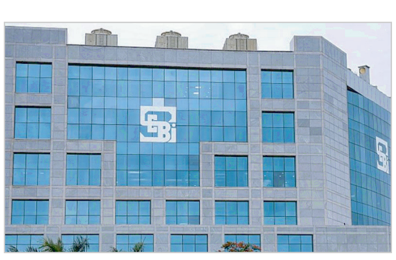

इसका कारण भी बताना होगा। बंद किए जाने के बाद संबंधित इकाई बिचौलिए की मदद से दोबारा अकाउंट ओपन करने के लिए आवेदन कर सकती है। इस बार उन्हें पते की सही जानकारी देनी होगी। सेबी ने कहा है कि अगर अकाउंट ओपन करने की अर्जी सभी दस्तावेजों के साथ एमआईआई के पास आती है तो उसे 5 दिन के अंदर अकाउंट को रीओपन करना होगा। सेबी के अनुसार उपरोक्त सभी बातें जॉइंट डीमैट अकाउंट पर भी लागू होती हैं।

स्विगी के कर्मचारी किसी भी स्थान से कर सकेंगे काम

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन खाना ऑर्डर तथा डिलिवरी सेवा देने वाली कंपनी स्विगी ने कहा कि वह अपने ज्यादातर कर्मचारियों को किसी भी स्थान से स्थायी रूप से काम करने की अनुमति देगी। कंपनी ने कहा कि वाणिज्यिक, केंद्रीय व्यावसायिक कार्य और प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े कर्मचारी अपनी सुविधा अनुसार कहीं से भी काम करना जारी रख सकेंगे। इसमें कहा गया है कि कर्मचारी आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए तीन महीने में एक सप्ताह के लिए अपने मूल कार्यालय आएंगे। हालांकि जो कर्मचारी साझेदार की भूमिका में हैं, उन्हें अपने मूल स्थानों से सप्ताह में कुछ दिन कार्यालय से काम करना पड़ेगा। स्विगी ने कहा कि कंपनी की जरूरतों और कई प्रबंधकों तथा कर्मचारियों की प्रतिक्रिया के आधार पर कहीं से भी स्थायी तौर पर काम की अनुमति देने का निर्णय किया गया है।` स्विगी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमारा ध्यान कर्मचारियों को उनकी नौकरी की रूपरेखा के भीतर उनके कामकाज में लचीलापन उपलब्ध कराना है। फिलहाल कंपनी के कर्मचारियों की संख्या करीब 5,000 है। ये 27 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों के 487 शहरों में काम कर रहे हैं।

एलन मस्क ने भी ट्विटर के मुकदमे के विरोध में कोर्ट में दायर की अर्जी

44 अरब डॉलर की डील मस्क द्वारा रद्द करने के बाद ट्विटर ने मुकदमा दर्ज कराया था

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की लीगल टीम ने भी ट्विटर के मुकदमे के विरोध में एक पत्र दायर किया है। हालांकि, यह एक गोपनीय पत्र है और इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जज के आदेश के बाद इसे सार्वजनिक किया जा सकता है। इससे पहले इस हफ्ते की शुरुआत में मस्क की ओर से डेलावेयर चांसरी कोर्ट में एक अर्जी दी गई थी जिसमें कहा गया था कि ट्विटर प्री-ट्रायल में सहयोग नहीं कर रहा है। मस्क के वकीलों ने कहा था कि ट्विटर वह दस्तावेज भी नहीं दे रहा है जिसे देने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। बता दें कि ट्विटर इस मामले में जल्द से जल्द सुनवाई शुरू करने की मांग कर रहा था। ट्विटर ने सितंबर में ट्रायल शुरू करने की अर्जी दी थी। वहीं, मस्क चाहते थे कि सुनवाई अगले साल फरवरी में शुरू हो लेकिन कोर्ट ने सुनवाई को अक्टूबर में रखकर मस्क को तगड़ा झटका दिया है।

ट्विटर का कहना है कि उन्हें अक्टूबर में ट्रायल से कोई समस्या नहीं है अगर यह केवल 5 दिन का ही है। ट्विटर इस ट्रायल को फास्ट ट्रैक करने की मांग कर रहा था। ऐसे में इस फैसले को ट्विटर की सफलता के रूप में देखा जा सकता है। ट्विटर के वकीलों का कहना है कि उन्हें यह साबित करने में केवल 4 दिन लगेंगे कि मस्क डील से बाहर निकलने के लिए स्पैम अकाउंट्स को अनावश्यक ही वजह बना रहे हैं। एलन मस्क ने ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदने की घोषणा की थी।

ट्विटर के हितधारकों, शेयरधारकों व अन्य संबंधित संस्थानों से भी इस डील को अनुमति मिल गई थी लेकिन 13 मई को मस्क ने इस डील को होल्ड पर डाल दिया। उन्होंने कहा कि ट्विटर उन्हें स्पैम और बॉट् अकाउंट्स की सही जानकारी नहीं दे रहा है।

देश को बीते साल मिला रिकॉर्ड 6 लाख करोड़ का विदेशी निवेश

विदेशी निवेशकों ने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 1,58,332 करोड़ रुपए लगाए

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी से प्रभावित वित्तवर्ष 2021-22 में देश को सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिला है। बाजार के जानकारों का कहना है कि बीमा सहित कई सेक्टर में 100 फीसदी एफडीआई को मंजूरी दिए जाने से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने में मदद मिली है। वाणिज्य मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर बताया कि बीते वित्तवर्ष में देश को कुल 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का विदेशी निवेश मिला है। मंत्रालय के अनुसार 2021-22 में रिकॉर्ड 6,31,050 करोड़ रुपये का प्रत्‍ यक्ष विदेशी निवेश आया। इसमें बड़ा निवेश मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी मिला है। विदेशी निवेशकों ने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 1,58,332 करोड़ रुपये लगाए, जो इससे पहले के वित्तवर्ष में 89,766 करोड़ रुपये थे। इस तरह देखा जाए तो बीते वित्तवर्ष मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को 76 फीसदी ज्यादा विदेशी निवेश मिला। मंत्रालय ने कहा कि सरकार की ओर से एफडीआई क्षेत्र में किए गए सुधारों की वजह से ही रिकॉर्ड विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि वित्तवर्ष 2020-21 में कुल एफडीआई 81.97 अरब डॉलर रहा था। अगर सबसे ज्यादा विदेशी निवेश करने वाले देशों की बात करें तो सिंगापुर एक बार फिर इस मामले में टॉप पर है। सिंगापुर की पिछले वित्तवर्ष में आए कुल एफडीआई में 27 फीसदी हिस्सेदारी रही, जबकि अमेरिका 18 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे पायदान पर रहा। मॉरिशस ने 16 फीसदी योगदान दिया और सबसे ज्यादा एफडीआई के मामले में तीसरे स्थान पर रहा। सबसे ज्यादा निवेश को देखें तो कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र पहले स्थान पर रहा, जबकि सर्विस सेक्टर और ऑटोमोबाइल सेक्टर दूसरे व तीसरी पायदान पर रहे। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने एफडीआई पॉलिसी को लेकर नरम रुख अपनाया है और कई पॉलिसी में बदलाव व सुधार भी किया है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में ऑटोमेटिक रूट से विदेशी निवेश आता है, जिससे इस बार करीब दोगुना निवेश पाने में सफलता मिली है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी टीम को धूल चटने आज उतरेगी भारतीय महिला टीम

बर्मिंघम। हरमनप्रीत कौर ने कॉमनवेल्थ गेम्स में बल्ले से अच्छी शुरुआत की। पहले मुकाबले में उन्होंने अर्धशतक जड़ा था, लेकिन टी20 की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मैच जीता। दूसरी ओर पाकिस्तान टीम को पहले मुकाबले में बारबाडोस के खिलाफ 15 रन से हार मिली। रविवार को भारत और पाकिस्तान की महिला टीमें आमने-सामने होगी। दोनों के बीच 4 साल बाद कोई टी20 का मुकाबला होने वाला है। भारतीय टीम का रिकॉर्ड चिर-प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतरीन है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरुआत की थी। हालांकि स्मृति बड़ी पारी नहीं खेल सकी थीं! युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके स्कोर को 154 रनतक पहुंचाया था। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 18 रन देकर 4 विकेट लिए थे। लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का साथ नहीं मिला। मेघना सिंह ने 4 ओवर में 38 रन लुटा दिए. वहीं स्पिनर राधा यादव और राजेश्वरी गायकवाड़ भी प्रभाव नहीं छोड़ सकीं। पूजा वस्त्रकार कोरोना के कारण यह मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। वे टीम की अहम खिलाड़ी हैं, इसका प्रभाव मैच पर भी देखने को मिला था। दूसरी ओर पाकिस्तान को बारबाडोस ने हराया। बारबाडोस ने पहले खेलकर 4 विकेट पर 144 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम निदा डार के नाबाद 50 रन के सहारे 6 विकेट पर 129 रन ही बना सकी थी। पहले मैच में उसके गेंदबाज कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। वहीं टीम ने 49 रन पर 4 बड़े विकेट खो दिए थे। इसके बाद टीम लय हासिल करना चाहेगी। कप्तान बिस्माह माहरूफ सिर्फ 12 रन बना सकी थीं। भारत और पाकिस्तान की महिला टीम के बीच अब तक 11 टी20 के मुकाबले खेले गए हैं। भारतीय टीम ने 9 जबकि पाकिस्तान को 2 मैच में जीत मिली है। दोनों के बीच अंतिम भिड़ंत नवंबर 2018 में हुई थी। तब भारतीय टीम को 7 विकेट से आसान जीत मिली थी। ग्रुप-ए में बारबाडोस की टीम नंबर-1 पर जबकि ऑस्ट्रेलिया नंबर-2 पर है। भारत तीसरे और पाकिस्तान चौथे नंबर पर है।

भारत के संकेत महादेव ने राष्ट्रमण्डल खेलों में जीता रजत

बर्मिंघम। भारत के संकेत महादेव सरगर ने राष्ट्रमण्डल खेलों की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीता है। यह भारत का इन खेलों में पहला पदक है। संकेत ने पुरुषों के 55 किलोग्राम भारवर्ग में यह रजत पदक जीता। संकेत 248 किलोग्राम वजन ही उठा पाये। उन्हें क्लीन एंड जर्क के तीसरे प्रयास में हल्की चोट लगी जिसके कारण उनका स्वर्ण पदक जीतने का सपना टूट गया। संकेत ने स्नैच में 113 और क्लीन एंड जर्क में 135 किलोग्राम वजन उठाया। वहीं मलेशिया के बिन कासदान मोहम्मद अनीक ने कुल 249 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण हासिल किया।

संकेत ने पिछले साल दिसंबर में खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने तब स्नैच में 113 किलोग्राम का वजन उठाकर स्वर्ण हासिल किया था। इसी के आधार पर उन्हें इस बार राष्ट्रमण्डल खेलों में सीधे प्रवेश मिला। वह यूथ गेम्स 2020 और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2020 में भी चैंपियन रहे थे। राष्ट्रमण्डल खेलों के इतिहास में वेटलिफ्टिंग में भारत ने अब तक कुल 126 पदक जीते हैं और वह पदकों के मामले में दूसरे स्थान पर है।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस में भारतीय महिला ने गयाना को हराया

बर्मिंघम (ईएमएस)। राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने गयाना को हराकर अपनी जीत का अभियान बनाये रखा है। मनिका बत्रा के नेतृत्व में भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने ग्रुप दो के मैच में गयाना को 3-0 से हराया। इस प्रकार भारतीय टीम पिछले बार खेलों में जीते अपने खिताब को बनाये रखने में अब तक सफल रही है। इससे पहले महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका और फिजी को समान 3-0 के अंतर से हराया था।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन श्रीजा अकुला और रीथ टेनिसन की जोड़ी ने गयाना की नताली कमिंग्स और चेल्सी एडघिल को 11-5, 11-7, 11-7 से हराकर भारत को 1-0 से बढ़त दिला दी। वहीं गत खेलों की स्वर्ण विजेता मनिका ने इसके बाद थुरिया थॉमस को सीधे गेम में 11-1, 11-3, 11-3 से पराजित किया। एक अन्य मुकाबले में रीथ ने चेल्सिया एडघिल पर 11-7, 14-12, 13-11 से जीत हासिल करने के साथ ही भारत की बढ़ता को 3--0 पहुंचा दिया।

श्रीलंका को हराकर भारत मिश्रित टीम बैडमिंटन के नॉकआउट चरण में पहुंची

बर्मिंघम। राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय बैडमिंटन टीम मिश्रित वर्ग के नॉकआउट चरण में पहुंच गयी है। भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन बरकरार रखते हुए शनिवार को ग्रुप ए के दूसरे मैच में श्रीलंका को 3-0 से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 5-0 से हराकर एक मैच शेष रहते ही क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। भारत की ओर से अश्विनी पोनप्पा और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी ने मिश्रित युगल में सचिन डियास और टी हेंडाहेवा को 21-4, 21-9 से हराकर भारतीय टीम को को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद लक्ष्य सेन ने पहला मैच खेलते हुए निलुका करूणारत्ने को 21-18, 21-5 से हराया जबकि आकृषि कश्यप ने सुहासनी विदानागे को 21-3, 21-9 से पराजित किया।

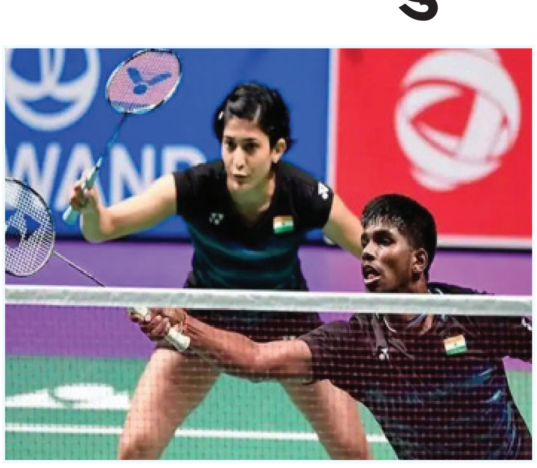

विसिनी 100 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी, अपने देश के लिए पहला सिंगल्स भी जीता

बाकू. सैन मैरिनो के डोमिनिको विसिनी डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे दो दिन पहले 50 वर्षीय विसनी डेविस कप मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। सितंबर में 51 वर्ष के होने वाले विसनी ने आइसलैंड के खिलाफ यूरोप के ग्रुप चार के मुकाबले में 17 वर्षीय सिमोन डी लुगी के साथ युगल मैच खेला। विसनी ने कहा, यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। यह एक लंबी यात्रा रही है। इस दौरान मुझे कई जगहों की यात्रा करने और बहुत सी चीजें देखने का मौका मिला। मुझे नहीं पता कि मैं कब खेलना बंक करूंगा. मैं जब तक खेल पाऊंगा, तब तक खेलूंगा। मेरा मोटिवेशन इस खेल से मेरा लगाव है। इसकारण मैं 50 साल की उम्र में भी देश के लिए टेनिस कोर्ट पर उतर रहा हूं। तीन साल पहले विसिनी डेविस कप में एकल मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। वह तब 47 साल 318 दिन के थे। इससे पहले, विसिनी बुधवार को अपने जोड़ीदार के साथ डबल्स मैच जीते थे।

यूएई में होगा एशिया कप : एसीसी

दुबई। एशिया कप मुकाबले अब श्रीलंका की जगह यूएई में 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच होंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने यह घोषणा की है। इससे पहले श्रीलंकाई बोर्ड (एसएलसी) ने देश में जारी आर्थिक संकट को देखते हुए इन खेलों के आयोजन में असमर्थता व्यक्त कर दी थी। उसी को देखते हुए आईसीसी ने विकल्प के तौर पर यूएई का नाम दिया है। एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि श्रीलंका में एशिया कप की मेजबानी के लिए हर संभव प्रयास किया गया था पर अब आयोजन स्थल को यूएई में स्थानांतरित करने के अलावा कोई चारा नहीं था। ऐसे में अब यूएई नया स्थल होगा जबकि मेजबान के तौर पर श्रीलंका का नाम ही रहेगा। साथ ही कहा कि एशिया कप का यह संस्करण अत्यंत अहम है क्योंकि यह एशियाई देशों को आईसीसी विश्व कप के लिए तैयार करने में सहायता करता है।

आईसीसी एसएलसी और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सहयोगी रवैये के लिए उनका आभार व्यक्त करता है। एसीसी ने भी रिलीज में श्रीलंका क्रिकेट के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि उसे श्रीलंकाई प्रशंसकों के लिए दुख है इसी कारण स्थल बदलना बेहद कठिन रहा।

गौरतलब है कि कि एशिया कप को इस बार टी 20 प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें नौ टीमें हिस्सा लेंगी। संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, सिंगापुर और हांगकांग मुख्य टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में शामिल होने वाले विजेता के साथ क्वालीफाइंग दौर खेलेंगे।

बुडापेस्ट में फार्मूला वन के अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए फरारी के चार्ल्स

संकेत महादेव सिर्फ 21 साल के, पिता बेचते हैं पकौड़े, छोटी बहन जीत चुकी है गोल्ड

बर्मिंघम। संकेत महादेव सरगर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत के मेडल का खाता खोला है। उन्होंने वेटलिफ्टिंग के 55 किग्रा वेट कैटेगरी में 248 किग्रा वेट उठाकर सिल्वर मेडल जीता। वे गोल्ड मेडल ने एक किग्रा दूर रहे। मलेशिया के मोहम्मद अनीद ने 249 किग्रा के साथ गोल्ड जीता। संकेत ने स्नैच के पहले प्रयास में 107 किग्रा वजन उठाया। दूसरे प्रयास में 111 किग्रा और तीसरे प्रयास में 113 किग्रा का वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क के पहले प्रयास में संकेत ने 135 किग्रा का वजन उठाया है। दूसरे और तीसरे प्रयास में वे सफल नहीं हो सके और इस दौरान वे चोटिल भी हुए। वे जब मेडल लेने आए तब उनके हाथ में पट्टी तक बंधी हुई थी। लेकिन इस 21 साल के युवा खिलाड़ी ने मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। संकेत ने पहुंचने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। सांगली के रहने वाले संकेत के पिता की पकौड़े और चाय बेचने की दुकान है। उनकी छोटी बहन 17 साल की काजल ने इसी साल जून में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 113 किग्रा के साथ गोल्ड मेडल जीता था। तब उनके पिता ने कहा था, हम तब रोज चाय पकौड़े ही बेचते हैं और यही करने वाले हैं। हमारी बेटी तब बड़ा वजन उठाती है और हमें इसकी खुशी होती है। बेटा भी यही कर रहा है। उन्होंने बताया कि मैंने सभी ग्राहकों को अपनी बेटी के करतब के बारे में बताया और सभी ने मुझे बधाई भी दी। अपने पिता के साथ चाय की दुकान पर काम के दौरान रेडियो या अपने फोन पर स्पोर्ट्स कमेंट्री सुनते रहने के कारण काजोल बड़े भाई संकेत के बाद वेटलिफ्टिंग में उतरीं। काजोल ने कहा कि मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि हम एक खेल का अभ्यास करें और जब उन्हें वेटलिफ्टिंग एकेडमी के बारे में पता चला, तब उन्होंने मेरे बड़े भाई का रजिस्ट्रेशन कराया। बाद में इसमें मैं भी इसमें शामिल हो गई। संकेत ने 2020 में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 55 किग्रा में गोल्ड मेडल जीता था। तब वे सिर्फ 19 साल के थे।

हॉकी खिलाड़ी नवजोत कोरोना संक्रमण के संदेह में पृथकवास पर भेजी गयीं

बर्मिंघम। भारतीय महिला हॉकी टीम पर कोरोना संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। टीम की मिडफील्डर नवजोत कौर को सं मण के संदेह में पृथकवास पर भेज दिया गया है। इसका कारण नजजोत की कोविड-19 परीक्षण की रिपोर्ट स्पष्ट नहीं होना बताया गया है। इससे महिला टीम संदेह के दायरे में आ गयी है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में घाना पर 5-0 की बड़ी जीत दर्ज की है। अब तक की जानकारी के अनुसार नवजोत को टीम से अलग कर दिया गया है हालांकि उनका पहला परीक्षण पॉजिटिव आया था लेकिन दूसरे परीक्षण में उनके सीटी मानक में सुधार हुआ है और उससे दूसरों को सं मण का खतरा नहीं है। नवजोत को स्वदेश भेजे जाने की संभावना है। नवजोत जकार्ता में खेले गए एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली टीम और 2014 में इंचिओन खेलों की कांस्य पदक विजेता टीम की सदस्य रहीं थी। वहीं भारत का 300 से अधिक सदस्यों का दल अभी तक खेलों के दौरान कोविड से मुक्त था।

अफगानिस्तान में घरेलू टी20 क्रिकेट लीग में धमाका, खिलाड़ी सुरक्षित

काबुल। अफगानिस्तान में एक घरेलू टी20 क्रिकेट लीग के मैच में हुए आत्मधाती हमले में खिलाड़ी बाल-बाल बचे हैं। यह धमाका शपागीजा टी20 क्रिकेट लीग में पामीर जाल्मी और बंद-ए-अमीर ड्रैगंस की टीम के बीच हुए मुकाबले में हुआ। इस मुकाबले में अफगानिस्तान की विश्व कप टीम के कई खिलाड़ी भी शामिल थे हालांकि किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इससे स्टेडियम में भगदड़ के हालात हो गये। इस दौरान सुरक्षा के लिए टीमों के खिलाड़ियों को बंकर के अंदर ले जाया गया। हमले के समय संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी भी स्टेडियम में उपस्थित के। हमले के कारण मैच तकरीबन एक घंटे तक रुका रहा। उस समय तक पामीर जाल्मी टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 159 रन बनाए थे। इसके बाद मैच शुरु होने पर बंद-ए-अमीर ड्रैगंस टीम ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत 10 ओवर में 94 रन के लक्ष्य को 1 विकेट के नुकसान पर हासिल कर मैच पर कब्जा कर लिय। , शपागीजा टी20 क्रिकेट लीग के इस मुकाबले में अफगानिस्तान के कई बड़े खिलाड़ी खेल रहे थे। इसमें शपूर जादरान को पामीर जाल्मी टीम की कप्तानी मिली थी।

रोहित-कार्तिक की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ने पहले ही टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

पोर्ट ऑफ स्पेन। कप्तान रोहित शर्मा और दिनेश कार्तिक की आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने यहां पहले ही टी20 मुकाबले में मेजबान टीम वेस्टइंडीज को 68 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की ओर से रोहित ने 64 रन जबकि दिनेश कार्तिक ने 41 रन बनाये। कार्तिक की पारी सबके आकर्षण का केन्द्र रही। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 19 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर भारतीय टीम को 190 रनों के एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रनों पर ही सिमट गयी। इंडीज गेंदबाज भारत के अर्शदीप सिंह, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई का सामना नहीं कर पाये। इन तीनों ही गेंदबाजों ने दो-दो विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर कुमार और रवींद्र जडेजा दोनो को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान कप्तानी रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव ने पारी की शुरुआत की। सूर्य मार ने 24 रन बनाये। दोनों ने शुरुआती 4.4 ओवर में ही 44 रन बना दिये। यूर्यकुमार के आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए. रोहित एक छोर पर जमे रहे पर ऋषभ पंत 14 रन और हार्दिक पंड्या एक रन बनाकर आउट हो गये जिससे भारतीय पारी दबाव में आ गयी। रोहित इस दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा 3443 रन रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल 3399 रन बनाकर इस प्रारूप में रोहित की जगह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे।

बाथ टब में नहाओ

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चों को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा- 'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।

केन्या ने फेसबुक को दी चेतावनी, कहा- अगले महीने तक नहीं सुधरे तो लग जाएगा प्रतिबंध

नैरोबी । केन्या ने फेसबुक को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपने प्लेटफॉर्म पर अभद्र भाषा पर अंकुश लगाए नहीं तो उसे देश में अगले महीने प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक दुनियाभर में बीते कई सालों से निजता के अधिकार का उल्लंघन करने समेत कई आरोपों का सामना कर रहा है। फेसबुक पर कई देशों में लोगों का निजी डेटा बेचने तक का आरोप लगा है, जिसके बाद उस पर कई बार कार्रवाई भी हुई। इस बीच आज केन्या के राष्ट्रीय सामंजस्य और एकता आयोग (एनसीआईसी) ने फेसबुक को एक चेतावनी दी है। फेसबुक पर कई बार देखा गया है कि कुछ पेज पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। जिसके चलते अब कंपनी से कहा गया है कि वह या तो सात दिनों के भीतर अपने प्लेटफॉर्म पर अभद्र भाषा को बंद करे या देश में अगले महीने उसपर बैन लगा दिया जाएगा। बता दें कि केन्या में अगले महीने चुनाव होने पर जिसके कारण फेसबुक पर प्रचार अभियान में कई पेज पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल हो रहा है। दूसरी और स्थानीय वकालत समूह ग्लोबल विटनेस फॉक्सग्लोव ने पाया है कि फेसबुक केन्या की दो आधिकारिक भाषाओं स्वाहिली और अंग्रेजी में अभद्र भाषा के विज्ञापनों का पता लगाने में भयानक रूप से विफल रहा है। उनकी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, देश के जातीय सामंजस्य प्रहरी एनसीआईसी ने कहा कि फेसबुक देश के कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। एनसीआईसी के आयुक्त दानवास मकोरी ने एक बयान में कहा कि फेसबुक ने खुद को अभद्र भाषा और गलत सूचना और दुष्प्रचार का वाहक बनने दिया है। इधर फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने इस मामले में सफाई दी है। उसने कहा कि पिछले सप्ताह से वह देश के चुनाव अधिकारियों और देश में विश्वसनीय भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रही है। ताकि एक समर्पित टीम की मदद से देश के 2022 के चुनाव की तैयारी की जा सके और गलत विज्ञापनों को हटाया जा सके।

बांग्लादेश में ट्रेन की चपेट में आई मिनी बस, 11 लोगों की दर्दनाक मौत, 5 घायल

ढाका । बांग्लादेश के चटगांव जिले में मानव-रहित रेलवे क्रॉसिंग पर एक मिनी बस ट्रेन की चपेट में आ गई इस हादसे में सात छात्रों समेत कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा शुक्रवार को मीरशरई उपजिला में हुआ, जब एक कोचिंग सेंटर के छात्रों और शिक्षकों को ले जा रही मिनी बस ढाका जा रही प्रोवती एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। मीरशरई थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) कबीर हुसैन ने कहा कि इस दुर्घटना में मरने वाले 11 लोगों में से सात लगभग एक ही उम्र के छात्र थे, जबकि अन्य चार शिक्षक थे। कबीर हुसैन ने कहा, प्रोवती एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से माइक्रोबस रेलवे ट्रैक पर कई सौ मीटर घिसटती चली गई। इस घटना में बस में सवार लोगों में से 11 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच बुरी तरह घायल हो गए। चटगांव मंडल कार्यालय के उप निदेशक अनीसुर रहमान ने कहा कि मृतकों के शव घटनास्थल से बरामद किए गए और बाद में शाम को उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिए गए। घायलों को चटगांव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्पेन में मंकीपॉक्स वायरस से पहली मौत, 70 फीसदी मामले यूरोप में

- अब तक स्पेन में करीब 4,298 लोग मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमित हुए

मैड्रिड । स्पेन में शुक्रवार को मंकीपॉक्स वायरस से पहली बार एक शख्स की मौत का मामला सामने आया है। यूरोप में मंकीपॉक्स के मौजूदा प्रकोप से जुड़ी ये पहली मौत मानी जा रही है। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन और सतर्कता समन्वय केंद्र के अनुसार स्पेन मंकीपॉक्स से सबसे अधिक प्रभावित दुनिया के कुछ देशों में से एक है। अब तक स्पेन में करीब 4,298 लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं। एक खबर के मुताबिक केंद्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जो जानकारी उपलब्ध है, उसके अनुसार मंकीपॉक्स के 3,750 रोगियों में से 120 अस्पताल में भर्ती थे और एक मरीज की मौत इस मंकीपॉक्स वायरस के संक्रमण से हो गई है। एक अधिकारी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम के नतीजे के नहीं आने के कारण मौत के विशिष्ट कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा सकती है। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले शनिवार को मंकीपॉक्स के प्रकोप को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। डब्ल्यूएचओ के अनुसार मई की शुरुआत से अफ्रीका के बाहर दुनिया भर में मंकीपॉक्स के 18,000 से अधिक मामलों का पता चला है।

ट्विटर डील रद्द करने पर एलन मस्क फंसे कानूनी लड़ाई में, कोर्ट में दायर किया प्रतिवाद

वॉशिंगटन । दुनिया के अमीरों में शुमार अमेरिकी कारोबारी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ट्विटर को खरीदने के सौदे में पीछे हट गए जिसके चलते सुर्खियों में हैं। कुछ महीने पूर्व ट्विटर को खरीदने को लेकर हुई डील के चलते भी एलन मस्क खूब खबरों में छाए हुए थे। हालांकि एलन मस्क की तरफ से डील रद्द करने की घोषणा के बाद अब ट्विटर और एलन मस्क की लड़ाई कोर्ट पहुंच गई है। करीब 44 बिलियन डॉलर के सौदे को रद्द करने के लिए एलन मस्क ने कानूनी रास्ता तय कर लिया है। मस्क की कानूनी टीम ने कोर्ट में 164 पन्नों का प्रतिवाद दायर किया, जिसमें माइक्रो ब्लॉगिंग साइट द्वारा ट्विटर द्वारा लगाए गए आरोपों पर जवाब भी शामिल हैं। ट्विटर और मस्क के बीच कानूनी लड़ाई 17 अक्टूबर से शुरू होगी। डेलावेयर कोर्ट ऑफ चांसरी में न्यायाधीश कैथलीन मैककॉर्मिक ने इसे लेकर ऑफिशियल शेड्यूल जारी किया और कहा कि यह ट्रायल 17 अक्टूबर से लेकर 21 अक्टूबर के बीच चलेगा। खबरों के मुताबिक एलन मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के खिलाफ एक काउंटरसूट दायर किया है, जिसमें ट्विटर द्वारा लगाए गए आरोपों पर जवाब भी शामिल हैं। मस्क की कानूनी टीम की तरफ से दायर किये गए प्रतिवाद और जवाब का 164 पन्नों का दस्तावेज आम जनता के उपलब्ध नहीं था, हालांकि अदालत के नियमों के तहत एक संशोधित संस्करण जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है। यह ट्रायल ये निर्धारित करेगा कि एलन मस्क ट्विटर के साथ हुई डील को रद्द कर सकते हैं कि नहीं। बता दें कि ट्विटर कंपनी मस्क को 44 अरब अमरीकी डालर में खरीदने के अप्रैल के उनके वादे को पूरा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है।

टिकटॉक में नौकरी से जुड़ी जानकारी दी तो कंपनी ने नौकरी से निकाला

न्यूर्याक । अमेरिका में शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक काफी लोकप्रिय है। इस प्लेटफार्म पर लोग अपने डांस और अपने जीवन से संबंधित हर छोटी चीज शॉर्ट वीडियो के माध्यम से लोगों के साथ शेयर करते हैं। हालांकि, जब आप अपनी नौकरी से संबंधित वीडियो शेयर करते है तो थोड़ा सोच समझ कर ही वीडियो बनाए जाने चाहिए। बेहतर यही होगा कि कंपनी से संबंधित कोई भी जानकारी कम से कम ही शेयर की जाए। अमेरिका के डेनवर की एक लड़की को यही गलती करने की वजह से अपनी नौकरी गंवानी पड़ी, क्योंकि उसने अपनी नई नौकरी और उसमें उसे कितनी सैलरी मिल रही है, यह सब उसने टिकटॉक में शेयर कर दिया। लेक्सी लार्सन ने बताया कि कैसे उसे टेक इंडस्ट्री में नौकरी मिली और इसमें उसे सैलरी 70 हजार डॉलर की जगह 90 हजार डॉलर मिल रही है। इस वीडियो को लगभग 168000 व्यूज मिल चुके है। लेक्सी ने वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि सैलरी की जानकारी देने के चक्कर में कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया। पिछले महीने पोस्ट किए गए वीडियो में लार्सन ने खुलासा किया कि उसकी सैलरी में कितनी वृद्धि हुई है। वीडियो वायरल होने के कुछ दिनों बाद कंपनी ने लेक्सी को नौकरी से निकाल दिया। बता दें कि लेक्सी की नौकरी दो हफ्ते पहले ही लगी थी। लेक्सी ने बताया टिकटॉक के कारण मेरी नौकरी चली गई।

अमेजन वर्षावन के बीच से एक हाईवे के निर्माण करेगी ब्राजील सरकार

ब्रासीलिया । ब्राजील सरकार ने दुनिया के सबसे घने जंगलों में से एक अमेजन वर्षावन के बीच से एक हाईवे के निर्माण की मंजूरी दे दी है। बढ़ रही वनों की कटाई के बीच सरकार का यह कदम सबसे बड़े वर्षावन के लिए एक घातक कदम हो सकता है। ब्राजील के पर्यावरण प्राधिकरण ने गुरुवार को एक प्रारंभिक परमिट जारी कर दिया है जिससे अमेजन के बीच से एक लंबा हाई वे निकाला जाएगा। हाई वे बीआर 319 अमेजन शहर मनौस को साल भर ब्राजील के बाकी हिस्सों से जोड़े रखेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर मंत्री मार्सेलो सैंपैयो ने पर्यावरण एजेंसी इबामा से लाइसेंस की एक छवि को पोस्ट कर परमिट की घोषणा की है। फिलहाल प्रारंभिक लाइसेंस सरकार को कंपनियों को सड़क के सबसे बड़े मध्य खंड को बनाने के लिए कॉन्ट्रैक्ट देने की अनुमति देगा। ठेकेदार योजनाओं को बनाएंगे, लेकिन निर्माण शुरू करने के लिए दूसरे परमिट की आवश्यकता होगी। राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने चुनावी दिनों में इस हाई वे को बनाने का वादा किया था। दरअसल, भीषण वर्षा और जंगल के उमस भरे माहौल के कारण पहले से मौजूद सड़क दलदल में बदल गई थी।

अमेरिका के केंतुकी में आई बाढ़ का हेलीकॉपर से जायजा लेते हुए गवर्नर एंडी बेशेहर।

अमेरिका के केंटकी में भारी बारिश से बने बाढ़ के हालात, 16 की जान गई

वॉशिंगटन । अमेरिकी के पूर्वी हिस्से में मूसलाधार बारिश ने भीषण विनाशलीला की है यहां बाढ़ आने से केंटकी के एपलाचियन में 16 लोगों की जान चली गई है। वहीं अन्य लोगों को नाव के द्वारा बाढ़ से निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। कहा जा रहा है कि जैसे-जैसे बचाव दल आपदा क्षेत्र में खोज करेंगे, मरने वालों की संख्या बढ़ेगी। केंटकी के गवर्नर ने कहा कि बाढ़ के सभी पीड़ितों को खोजने में हफ्तों लग सकते हैं, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, इलाके में मूसलाधार बारिश के चलते एपलाचिया के कस्बों में पानी भर गया है। आने वाले दिनों में और अधिक बारिश होने का अनुमान लगाया गया था। बचाव दल को कई जगहों पर रेस्क्यू के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। पूर्वी केंटकी के कुछ क्षेत्रों में 48 घंटों में 20 से 27 सेंटीमीटर के बीच बारिश होने के बाद शुक्रवार तड़के बारिश हुई। लेकिन कुछ जलमार्गों के शनिवार तक उफान पर पहुंचने की उम्मीद नहीं थी और एंडी बेशियर ने चेतावनी दी कि मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। राज्य के राज्यपाल एंडी बेशियर ने कहा कि अचानक आई बाढ़ में कितने लोगों की मौत हुई है इसकी गिनती अपडेट कर रहे हैं। प्रभावति इलाकों में से कुछ क्षेत्रों में, यह जानना कठिन है कि वास्तव में कितने लोग मौजूद थे।

सर्वे में ऋषि सुनक के हाथ से फिसल रही ब्रिटेन की कमान, लिज लगातार कर रही लीड

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री कुर्सी के लिए चल रही जंग में भारतीय मूल के ऋषि सुनक और लिज ट्रास के बीच मुकाबला चल रहा है। एक माह के बाद सितंबर में ब्रिटेन के नए पीएम का ऐलान भी कर दिया जाएगा। अब तक दोनों उम्?मीदवारों के बीच हुई बहस में जो उलटफेर होता हुआ दिखाई दे रहा है उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि लिज ने ऋषि पर बाजी मार ली है। पहले जहां ऋषि सुनक इस रेस में आगे दिखाई दे रहे थे वहीं अब लिज आगे आती दिखाई दे रही हैं। इसकी एक दूसरी वजह देश में पीएम के नाम को लेकर हुआ ताजा सर्वे भी है।

इस सर्वे में 90 फीसद लोगों ने माना है कि ब्रिटेन की पीएम लिज ट्रास बनेंगी। टोरी मैंबर्स के सर्वे में अधिकतर ने माना है कि लिज कंजरवेटिव पार्टी की प्रमुख और पीएम बनने के लिए ऋषि से अधिक मजबूत उम्?मीदवार हैं। इस तरह से इस सर्वे में केवल 10 फीसदी लोगों ने ही ऋषि के समर्थन में अपनी बात रखी है। शुरुआत में ये 60-40 फीसदी पर था। लेकिन मामला कुछ और बनता दिखाई दे रहा

है। बता दें कि लिज ट्रास को बोरिस जानसन का समर्थन हासिल है। पालिटिकल मार्केट एसमार्केट के प्रमुख मैथ्यू शैडिक का कहना है कि पहले लोगों का मानना था कि ऋषि एक बेहतर कैंपेनर हैं, लेकिन जैसे-जैसे डिबेट आगे बढ़ती चली गईं वैसे-वैसे लिज के जीतने का भी आंकड़ा बढ़ता चला गया।

एक सर्वे के मुताबिक लिज ट्रास ने पीएम पद की दौड़ में पूर्व चांसलर ऋषि सुनक से 24 अंकों की बढ़त हासिल की है। कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों ने इस पीएम की रेस को अंतिम चरण में भेजने के लिए मतदान किया है। सर्वे में कहा गया है कि लिज ट्रास इस रेस में ऋषि सुनक को 19 अंकों से हराकर देश के पीएम पद पर कब्जा कर लेंगी। टोरी सदस्यों पर नए सर्वे में कहा गया है कि ऋषि सुनक को जहां 31 फीसद सदस्यों ने वोट किया है वहीं लिज ट्रास को 49 फीसद ने वोट किया है। 15 फीसद ऐसा आंकड़ा है जो फिलहाल किसी भी पक्ष में नहीं है। वहीं 6 फीसद ने अपनी पसंद को बताने से इनकार कर दिया है। ताजा सर्वे में लिज को 62 और ऋषि को 38 फीसद वोट मिलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस लिहाज से लिज की ऋषि पर बढ़त करीब 24 अंकों की है। बता दें कि टीवी पर लिज और ऋषि के बीच हुई सीधी बहस के दौरान टैक्स के मुद्दे पर दोनों में जबरदस्त बहस हुई थी।

भारत ने रूस-यूक्रेन अनाज निर्यात समझौते का स्वागत किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने अनाज और उर्वरकों के निर्यात पर रूस और यूक्रेन के बीच हाल में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में हुए समझौते का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इसे सभी पक्षों द्वारा ''ईमानदारी से'' लागू किया जाएगा। भारत ने साथ ही आगाह किया कि ये उपाय अकेले खाद्य असुरक्षा की चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत आर. रवींद्र ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष का प्रभाव केवल यूरोप तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष विशेष रूप से विकासशील देशों में खाद्य, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''जब खाद्यान्न की बात आती है तो सभी के लिए निष्पक्षता, सामर्थ्य और पहुंच के महत्व को पर्याप्त रूप से समझना आवश्यक है।'' यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में रवींद्र ने कहा, ''हम अनाज और उर्वरकों के सुरक्षित निर्यात को सुनिश्चित करने की दिशा में हालिया घटनाक्रम का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इन सहमत उपायों को सभी पक्षों द्वारा गंभीरता से लागू किया जाएगा। हमें लगता है कि ये उपाय अकेले खाद्य असुरक्षा की चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं।'' पिछले शुक्रवार को रूस और यूक्रेन ने तुर्किये और संयुक्त राष्ट्र के साथ अलग-अलग समझौते कर लाखों टन यूक्रेनी अनाज तथा रूसी खाद्यान्न और उर्वरक के निर्यात का मार्ग प्रशस्त किया था। रवींद्र ने कहा कि भारत खाद्य सुरक्षा पर संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए रचनात्मक रूप से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।उन्होंने परिषद को बताया कि भारत वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ-साथ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए और उनकी सरकारों के अनुरोध के आधार पर खाद्यान्न की आपूर्ति करता रहा है।

आर्थिक राहत पैकेज मांगना पाकिस्तानी सेना प्रमुख का काम नहीं : इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आईएमएफ ऋण पर अमेरिका से मदद मांगने के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा की खिंचाई की। पूर्व पीएम इमरान ने बताया कि आर्थिक राहत पैकेज मांगना सेना प्रमुख का काम नहीं था। उन्होंने कहा कि अमेरिका से मदद मांगने से पाकिस्तानी सुरक्षा पर असर पड़ेगा। यह एक असामान्य कदम है। बाजवा आईएमएफ से ऋण संवितरण को तेज करने के लिए अमेरिका पहुंचे। रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देकर कहा कि बाजवा ने आईएमएफ राहत पैकेज पर अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमेन से बात की थी।

इमरान के अनुसार ये जनरल बाजवा का काम नहीं है कि वहां अर्थव्यवस्था से निपटे। इसके साथ ही उन्होंने ये सवाल भी किया कि क्या अमेरिका ने मदद के बदले पाकिस्तान के सामने कोई मांग भी रखी है? इमरान खान ने कहा कि जनरल बाजवा की मीटिंग ये बताने के लिए काफी है कि अमेरिका में बैठे आईएमएफ के अधिकारी भी अब मौजूदा सरकार पर भरोसा नहीं करते हैं। इसलिए जनरल बाजवा ने अब जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली है।

बता दें कि तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को डिफाल्टर बनने से बचाने के लिए अब सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कमर कस ली है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने अमेरिका से आईएमएफ पर कर्ज की रकम जल्द जारी करने की बात की है। पाकिस्तान इन दिनों भारी नकदी की कमी से जूझ रहा है और देश घटते विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से दिवालिया होने की कगार पर आ पहुंचा है।

श्रीलंका पुलिस ने गोटाबाया पैलेस से मिले 1 करोड़ 78 लाख रुपए अदालत को सौंपे,

मजिस्ट्रेट ने पूछा- ये राशि 3 हफ्ते तक क्यों नहीं जमा कराई गई?

कोलंबो (एजेंसी)।

जनता का आक्रोश झेलने के बाद पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 9 जुलाई को कोलंबो के सरकारी आवास से भाग खड़े हुए। जिसके कुछ दिन अपने ही देश में रहने के बाद वो मालदीव से होते हुए सिंगापुर चले गए। वहां से श्रीलंकाई संसद के अध्यक्ष को ईमेल द्वारा त्याग पत्र भेज दिया। गोटबाया के छिपने के बाद उनके महल पर गुस्साई भीड़ ने कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग ने यह भी दावा किया कि वहां से भारी मात्रा में धन बरामद किया गया और पुलिस को सौंप दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आधिकारिक आवास से सरकार-विरोधी प्रदर्शनकारियों को मिली लाखों रुपये की नकद राशि एक अदालत के समक्ष पेश की।

कोलंबो कोर्ट में एक हलफनामे पुलिस ने यह भी कहा कि केंद्रीय अपराध जांच÷ के अनुसार गोटाबाया पैलेस से बरामद 'श्रीलंकाई रुपए' की राशि 1 करोड़ 78 लाख 50 हजार (भारतीय मुद्रा में लगभग 40 लाख रुपए) से अधिक है। फोर्ट पुलिस राष्ट्रपति के आवास और उसके आसपास सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, कोलंबो कोर्ट के जज ने सवाल किया कि फोर्ट पुलिस ने कोर्ट में भारी रकम तीन हफ्ते तक क्यों नहीं जमा कराई।

गौरतलब है कि देश की आर्थिक बदहाली से परेशान सैकड़ों प्रदर्शनकारी नौ जुलाई को मध्य कोलंबो के उच्च सुरक्षा वाले 'फोर्ट' इलाके में स्थित तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे के आवास में घुस आए थे। प्रदर्शनकारियों को राजपक्षे के आवास से एक करोड़ 78 लाख 50 हजार श्रीलंकाई रुपये बरामद हुए थे। एक ऑनलाइन पोर्टल 'न्यू फर्स्ट' ने बताया कि कोलंबो केंद्रीय अपराध जांच प्रभाग के प्रभारी पुलिस अधीक्षक ने फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत के बृहस्पतिवार के आदेश के अनुपालन में शुक्रवार को यह राशि सौंपी।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एशिया और अफ्रीका की यात्रा करेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के चीन एवं रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एशिया और अफ्रीका की यात्रा करने वाले हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। ब्लिंकन दोनों महाद्वीपों की पांच-दिवसीय यात्रा अगले सप्ताह कंबोडिया से आरंभ होगी, जहां वह दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्रीय सुरक्षा मंच की बैठक में शामिल होने वाले हैं। इस दौरान चीनी और रूसी विदेश मंत्रियों के भी मौजूद रहने की संभावना है। बहरहाल, इस बात का तत्काल संकेत नहीं मिला है कि क्या ब्लिंकन उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करेंगे या नहीं।

युद्ध बंदियों की जेल पर गोलाबारी को लेकर रूस-यूक्रेन में आरोप-प्रत्यारोप

कीव (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन ने अलगाववादी पूर्वी क्षेत्र स्थित उस जेल पर गोलाबारी को लेकर शुक्रवार को एक-दूसरे पर आरोप लगाया, जिसमें कथित तौर पर दर्जनों यूक्रेनी युद्ध बंदियों की मौत हो गई। इन कैदियों को गत मई में मारियुपोल पर रूसी कब्जे के बाद गिरफ्तार किया गया था। रूस ने कहा कि यूक्रेन ने रूस के नियंत्रण वाले डोनेत्स्क क्षेत्र में ओलेनिवका की जेल पर हमले में अमेरिका द्वारा दिए गए 'एचआईएमएआरएस मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर' का इस्तेमाल किया।

रूस के अधिकारियों और दोनेत्स्क में अलगाववादी अधिकारियों ने कहा कि हमले में 53 यूक्रेनी युद्ध बंदियों की मौत हो गई और 75 घायल हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने हमले को 'खूनी उकसावा' करार दिया, जिसका उद्देश्य यूक्रेनी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने से हतोत्साहित करना था। उन्होंने बताया कि गोलाबारी में आठ जेल प्रहरी भी घायल हुए।

यूक्रेनी सेना ने ओलेनिवका पर किसी भी रॉकेट या तोप हमले से इनकार किया और जोर देकर कहा कि वह नागरिक क्षेत्रों पर गोलाबारी नहीं कर रही थी और उसका निशाना केवल रूसी सैन्य ठिकाने थे। यूक्रेनी सेना ने आरोप लगाया कि रूस ने यूक्रेन पर युद्ध अपराधों का आरोप लगाने और वहां लोगों को यातना और सजा-ए-मौत देने की घटना को छुपाने के लिए जानबूझकर जेल पर गोलाबारी की।

यूक्रेनी सेना के बयान में 'यूक्रेनी सेना को दोषी ठहराने के लिए सूचना युद्ध' के हिस्से के रूप में रूसी दावों की निंदा की गई।हालांकि, किसी भी दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। मास्को ने हमले की जांच शुरू करते हुए घटनास्थल पर रूसी जांच समिति की एक टीम भेजी है। यूक्रेनी नेशनल गार्ड की एजोव रेजीमेंट और अन्य सैन्य इकाइयों के 2400 से अधिक सैनिकों ने गत मई में यूक्रेनी सेना के आदेश पर आत्मसमर्पण कर दिया था।

यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान रूसी गोलाबारी में 13 नागरिकों की मौत हो गई जबकि अन्य 36 लोग घायल हो गए। उधर, कीव की एक अपील अदालत ने शुक्रवार को यूक्रेन पर हमला करने के बाद से पहले युद्ध अपराधों के मुकदमे में दोषी रूसी सैनिक की उम्रकैद की सजा को घटाकर 15 साल कर दिया। आलोचकों ने कहा था कि 21 वर्षीय वादिम शिशिमारिन की सजा अनुचित रूप से कठोर थी, क्योंकि उसने अपराध कबूल करने के साथ पश्चाताप व्यक्त किया था।

एक दिसंबर से तंबाकू उत्पदों के पैकेट पर लगानी होगी नई स्वास्थ्य चेतावनी

नई दिल्ली।

एक दिसंबर, 2022 से या उसके बाद निर्मित, आयातित या पैक किए गए तंबाकू उत्पादों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी वाली एक नई तस्वीर का प्रयोग किया जाएगा। इस तस्वीर में लिखा होगा कि तंबाकू से दर्दनाक मौत होती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह तस्वीर एक दिसंबर से एक साल की अवधि में इस्तेमाल की जाएगी। मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नई स्वास्थ्य चेतावनियों के अनुसार एक दिसंबर 2023 से या उसके बाद निर्मित, आयातित या पैक किए गए तंबाकू उत्पादों पर लिखित में स्वास्थ्य चेतावनी तंबाकू उपयोगकर्ता कम उम्र में मौत के शिकार हो जाते हैं के साथ एक तस्वीर प्रदर्शित होगी। मंत्रालय ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (पैकेजिंग और लेबलिंग) नियमावली 2008 में संशोधन के माध्यम से 21 जुलाई, 2022 को नई स्वास्थ्य चेतावनियों को अधिसूचित किया है।

सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (पैकेजिंग और लेबलिंग) तीसरी संशोधन नियमावली 2022 के तहत संशोधित नियम 1 दिसंबर, 2022 से लागू होंगे। अधिसूचना सरकार की वेबसाइट पर 19 भाषाओं में उपलब्ध है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सिगरेट या किसी भी तंबाकू उत्पादों के निर्माण, उत्पादन, आपूर्ति, आयात या वितरण में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल कोई भी व्यक्ति यह सुनिश्चित करेगा कि सभी तंबाकू उत्पाद के पैकेट पर निर्दिष्ट स्वास्थ्य चेतावनी ठीक उसी

तरह दी गई हो जैसा कि निर्धारित किया गया है। दिशानिर्देशों का उल्लंघन एक दंडनीय अपराध है।

मंकीपॉक्स बनता जा रहा एक बड़ा खतरा

-घबराने की बजाय बचाव के तरीकों को अपनाना जरूरी

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी से पहले से ही जूझ रहे लोगों को अब मंकीपॉक्स एक बड़ा खतरा बनता नजर आ रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो कोरोना के दौरान पहले ही कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन कर चुके और इस व्यवहार में ढल चुके लोगों को मंकीपॉक्स से बचाव के लिए कुछ इसी प्रकार की एहतियातों का पालन करना है।

ऐसा करने से मंकीपॉक्स के संक्रमण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है.विशेषज्ञ कहते हैं कि मंकीपॉक्स भी एक वायरस है।वहीं कोरोना भी वायरस था, लिहाजा इनके संक्रमण फैलने को लेकर कई चीजें कॉमन हैं।अब चूंकि भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लगभग सभी देश कोरोना से पीड़ित रह चुके हैं और इस दौरान सावधानियों से लेकर सतर्कता बरतने और कोरोना नियमों का पालन कर चुके हैं इसलिए मंकीपॉक्स को लेकर घबराने की बजाय बचाव के तरीकों को अपनाना जरूरी है।लोगों को चाहिए कि वे संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए व्यवहार को नियत करें.विशेषज्ञों के अनुसार मंकीपॉक्स वायरस से मृत्यु दर अभी बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन यह उसी स्थिति में कम खतरनाक है जबकि आपकी इ़यूनिटी या शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत है।

अगर रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है तो यह वायरस असर दिखा सकता है।इसलिए पोषणयुक्त भोजन करें, हल्के लक्षण भी दिखाई दें तो विशेषज्ञ को दिखाएं।हालांकि मंकीपॉक्स से बचाव के लिए कुछ उपाय हैं जो अपनाए जाएं तो इससे संक्रमित होने से बचा जा सकता है.विशेषज्ञों का मानना है कि मंकीपॉक्स से बचाव के लिए कोरोना के इन नियमों को अपनाना चाहिए जैसे - संक्रमित व्यक्ति से सभी स्वस्थ लोग दूरी बनाकर रखें।मरीज को अलग कमरे में आइसोलेट करें।बाहर से जब भी घर आएं तो साबुन और पानी या एल्कोहल युक्त सेनिटाइजर से हाथों को साफ करें।अगर घर में कोई मंकीपॉक्स का मरीज है तो उसको मास्क पहना कर रखें।साथ ही उसके पास जाएं तो मास्क पहनकर जाएं।मंकीपॉक्स के मरीज के शरीर पर निकली फुंसियों और घावों को साफ चादर या कपड़े से ढककर रखें। पीडित मरीज के द्वारा इस्तेमाल किए गए चादर, कपड़े, तौलिया आदि का इस्तेमाल न करें।

मरीज के इस्तेमाल करने के तुरंत बाद इन कपड़ों को डिटर्जेंट में डालकर धोएं.किसी भी सैलून, स्पा, सार्वजनिक स्थानों, पार्लर, होटल आदि में हाईजीन का जरूर ध्यान रखें।कोशिश करें कि जो भी कपड़े या तौलिए आदि इस्तेमाल किए जा रहे हैं वे धुले हुए और बिना इस्तेमाल किए हुए हों।बाहर जाएं तो सैनिटाइजर साथ में रखें, जहां भी बैठें कोशिश करें सैनिटाइजर से उस जगह को सैनिटाइज करें.किसी से भी करीब से न मिलें।गले न मिलें।खासतौर पर बसों, सार्वजनिक परिवहन के वाहनों में बहुत नजदीक न बैठें ताकि आपस में त्वचा एक दूसरे से छुए।इससे संक्रमण फैलने की संभावना ज्यादा रहती है।

बता दें कि विश्व के 75 देशों में संक्रमण फैलाने के बाद अब भारत में भी मंकीपॉक्स वायरस डराने लगा है।देश में अभी तक इस बीमारी के 4 मरीज सामने आ चुके हैं जबकि कई अन्य संदिग्ध भी सामने आ रहे हैं, जिनके नमूनों को जांच के लिए भेजा जा रहा है।

बैकफुट पर आई केजरीवाल सरकार दिल्ली में शराब बिक्री की पुरानी नीति फिर होगी वापस

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में जल्द ही शराब बिक्री की पुरानी व्यवस्था एक बार फिर लौटने वाली है। दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा नई आबकारी नीति क्रियान्वयन की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद दिल्ली सरकार ने राजधानी में खुदरा शराब बिक्री की पुरानी व्यवस्था को फिर से अपनाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आबकारी नीति 2021-22, जिसे 31 मार्च के बाद दो बार दो-दो महीने की अवधि के लिए बढ़ाया गया था, वो 31 जुलाई को समाप्त हो जाएगी। आबकारी विभाग फिलहाल आबकारी नीति 2022-23 पर काम कर रहा है, जो अन्य बातों के अलावा दिल्ली में शराब की होम डिलीवरी की सिफारिश करती है। अधिकारियों ने कहा कि मसौदा नीति को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को उनकी मंजूरी के लिए भेजा जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि उपमुेयमंत्री मनीष सिसोदिया, जिनके पास आबकारी विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार है, उन्होंने गुरुवार को विभाग को नई नीति आने तक छह महीने की अवधि के लिए आबकारी नीति की पुरानी व्यवस्था को वापस अपनाने का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, वित्त विभाग ने आबकारी आयुक्त को 17 नवंबर, 2021 से नई आबकारी नीति लागू होने से पहले दिल्ली सरकार के चार निगमों के प्रमुखों के साथ उनके द्वारा संचालित शराब की दुकानों के विवरण के लिए समन्वय करने का निर्देश दिया है। नई नीति के तहत निजी फर्मों को खुली बोली के जरिए 849 शराब ठेकों के लाइसेंस जारी किए गए।

ट्विटर का दावा- ट्वीट हटाने की मांग करने वाले देशों में भारत आगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।

माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने अपनी ताजा रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत ट्विटर पर पोस्ट किए गए कंटेंट को हटाने की मांग करने वाले देशों में सबसे आगे है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत जुलाई से दिसंबर 2021 के बीच सभी तरह के यूजर्स के मामले में सामग्री को प्रतिबंधित करने का आदेश देने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल था। वहीं खातों से जुड़ी जानकारी मांगने में भारत सिर्फ अमेरिका से पीछे था। ट्विटर ने बताया कि जुलाई से दिसंबर 2021 के बीच उसे दुनियाभर से सत्यापित पत्रकारों और मीडिया संस्थानों से जुड़े 349 अकाउंट पर मौजूद सामग्री को हटाने की कानूनी मांग हासिल हुई। यह सेंया पूर्व की अवधि (जनवरी से जून 2021) से 103 फीसदी अधिक है। ट्विटर के अनुसार, इस वृद्धि के लिए मुेय रूप से भारत (114), तुर्की (78), रूस (55) और पाकिस्तान (48) द्वारा दाखिल कानूनी आपत्तियां जिमेदार हैं। मालूम हो कि भारत जनवरी से जून 2021 के बीच की अवधि में भी इस सूची में शीर्ष पर था। भारत के राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी एक नाबालिग के सिलसिले में किए गए ट्वीट को हटाने की मांग की थी। वैसे तो कंपनी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उसका संदर्भ कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पिछले साल अगस्त में किए गए ट्वीट को लेकर माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की शिकार एक नाबालिग दलित लड़की के माता-पिता से अपनी मुलाकात की तस्वीर साझा की थी। ट्विटर ने कहा, भारतीय कानून के मुताबिक, एक वरिष्ठ राजनेता द्वारा किए गए ट्वीट को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया था। यूजर्स के अकाउंट से जुड़ी जानकारी मुहैया कराने के सबसे ज्यादा अनुरोध (20 फीसदी) अमेरिका से मिले उसके बाद भारत (19 फीसदी) से। सर्वाधिक सूचना मांगने वाले शीर्ष पांच देशों में जापान, फ्रांस और जर्मनी भी शामिल हैं। जुलाई से दिसंबर 2021 के बीच दुनियाभर में सामग्री हटाने के लिए किए गए कुल 47,572 अनुरोध में से 3,992 यानी आठ प्रतिशत अनुरोध भारत से मिले थे।

कब बढ़ेगा पूर्व सैनिकों का पेंशन केंद्र सरकार ने दिया जवाब लागू होने की तारीख भी बताई

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कहा कि वन रैंक, वन पेंशन ओआरओपी के तहत पूर्व सैनिकों के लिए पेंशन में संशोधन की प्रक्रिया चल रही है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने शुक्रवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। भट्ट ने कहा कि ओआरओपी के तहत पेंशन का पुनरीक्षण हो रहा है और यह एक जुलाई, 2019 से प्रभावी माना जाएगा।

उन्होंने ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का उल्लेख भी किया। केंद्र सरकार ने ओआरओपी को लागू करने की घोषणा करते हुए 2015 में अधिसूचना जारी की थी। इसमें हर पांच साल पर पेंशन की समीक्षा करने का प्रावधान है। आपको बता दें कि ओआरओपी को लागू करना 2013 में भाजपा द्वारा किया गया एक चुनाव पूर्व वादा था। सरकार ने नवंबर 2015 में मौजूदा ओआरओपी योजना को अधिसूचित किया था और इसे 1 जुलाई 2014 से लागू किया गया था। हालांकि, 2019 में इसमें संसोधन होना था, जो कि नहीं हुआ। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा 2015 में अपनाए गए वन रैंक-वन पेंशन सिद्धांत को बरकरार रखने के उसके फैसले के संबंध में दायर की गई पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। न्यायालय ने कहा कि इस फैसले में न तो कोई संवैधानिक कमी है और न ही यह मनमाना है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि पुनर्विचार याचिका में कोई दम नहीं है।

पीठ ने कहा, खुली अदालत में समीक्षा याचिका को सूचीबद्ध करने के आग्रह को खारिज कर दिया गया है। हमने पुनर्विचार याचिका और इससे जुड़े दस्तावेजों को ध्यान से देखा है।

समीक्षा याचिका में कोई दम नहीं दिखा। कोर्ट ने केंद्र द्वारा अपनाए गए वन रैंक-वन पेंशन सिद्धांत को 16 मार्च को फैसले में बरकरार रखा था।

जल्दी फैसला देने पर हाईकोर्ट ने कर दिया निलंबित बिहार के जज का सनसनीखेज दावा

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने एक न्यायिक अधिकारी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी जिसमें उन्होंने पटना हाईकोर्ट द्वारा उन्हें निलंबित किए जाने को चुनौती दी है। उन्होंने दावा किया कि पॉक्सो के एक मामले समेत तेजी से किए गए उनके कुछ फैसलों की वजह से उन्हें निलंबित किया गया। बिहार के अररिया में अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश शशिकांत राय की याचिका पर जस्टिस यूयू ललित और एसआर भट्ट की पीठ ने बिहार सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी किया है। राय ने अर्जी में कहा कि उन्हें लगता है कि उनके खिलाफ एक संस्थागत पूर्वाग्रह है, क्योंकि उन्होंने छह साल की एक बच्ची से बलात्कार से जुड़े पॉक्सो बच्चों को यौन अपराध से संरक्षण कानून के एक मामले में सुनवाई एक ही दिन में पूरी कर ली थी। उन्होंने एक अन्य मामले में एक आरोपी को चार दिन की सुनवाई में दोषी ठहराकर मौत की सजा सुनाई थी। उन्होंने दावा किया कि ये फैसले व्यापक रूप से खबरों में छाए रहे और उन्हें सरकार तथा जनता से सराहना मिली। शीर्ष अदालत की पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी किया और दो हफ्ते में जवाब मांगा। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि शीर्ष अदालत के अनेक फैसले हैं जिनमें उसने कहा है कि सजा उसी दिन सुनवाई पूरी करके नहीं सुनाई जानी चाहिए। हमारे हिसाब से यह न्याय का उपहास होगा कि आप उस व्यक्ति को पर्याप्त नोटिस, पर्याप्त अवसर तक नहीं दे रहे जिसे अंतत» मौत की सजा मिलने वाली है। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह पेश हुए।

कोरोना वायरस संभवतः जानवरों से लोगों में फैला

नई दिल्ली ।

साइंस जर्नल द्वारा ऑनलाइन पब्लिश की गई एक रिसर्च में दावा किया गया है कि चीन का हुआनन सी फूड होलसेल मार्केट इस वायरस के फैलने का शुरुआती केंद्र था। जिसने अब तक दुनिया भर में लगभग 6.4 मिलियन लोगों की जान ले ली है।साइंटिस्टों ने निष्कर्ष निकाला है कि वायरस संभवतः जानवरों से दो अलग-अलग समय में लोगों में फैला है.स्क्रिप्स रिसर्च में इ़यूनोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और एक रिसर्च के को-ऑथर क्रिस्टियन एंडरसन के अनुसार ये सभी सबूत एक ही बात की ओर इशारा करते हैं कि यह वायरस वुहान के बीच इस विशेष बाजार से फैला है।

जब तक हमने इस पर बहुत ध्यान से रिसर्च नहीं किया, तब तक मैं खुद इसके लैब लीक की थ्योरी के बारे में काफी आश्वस्त था।एंडरसन के मुताबिक बाजार के अंदर से भी रिसर्च के लिए सैंपल लिए गए थे।बाजार में लोग जंगली जानवरों को बेच रहे थे, इसमें रैकून डॉग भी शामिल था।यह जंगली जानवर कोरोना वायरस को फैलाने में काफी मददगार होते हैं.दूसरे रिसर्च में साइंटिस्टों ने चीन के अंदर और बाहर वायरस की जीनोमिक डायवर्सिटी का विश्लेषण किया।जिसमें दिसंबर 2019 में सबसे शुरुआती वायरस की जीनोम को सैंपल के रूप में लिया गया था जो फरवरी 2020 के मध्य तक फैल रहा था।साइंटिस्टों ने पाया कि वुहान में शुरू होने वाली महामारियों का कारण वायरस के दो वंश ए और बी हैं।दूसरी रिसर्च के को-ऑथर और साइंटिस्ट जोएल वर्थाइम के अनुसार वंश बी आनुवंशिक रूप से पहले चमगादड़ में फैला था और वंश बी पहले मनुष्यों में फैला था।मनुष्यों में यह वायरस बाजार से फैला था।

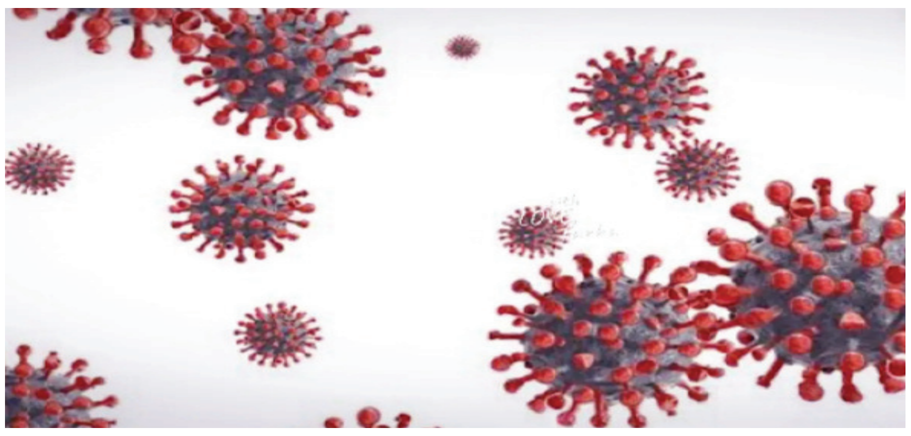

साइंटिस्टों का मानना है कि यह वायरस चमगादड़ों से सीधे या किसी अन्य जानवर के जरिए मनुष्यों में पहुंचा।लेकिन जून में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बात की गहन जांच की सिफारिश की कि क्या इसमें चीन की लैब दुर्घटना को दोष दिया जा सकता है। बता दें कि दो नई रिसर्च इस बात का अधिक प्रमाण दे रही हैं कि कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत चीन के वुहान बाजार से हुई थी।कई साइंटिस्टों ने पहले दावा किया था कि वायरस को चीन के एक लैब में तैयार किया गया और लैब दुर्घटना में यह लीक हुआ था।

लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही वायुसेना फेज आउट नहीं हो रहे मिग-21

नई दिल्ली। वायुसेना लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही है जिसके चलते छह दशक पुराने मिग-21 उसकी मजबूरी बने हुए हैं। एक दिन पहले बाड़मेर में मिग-21 के दुर्घटनाग्रस्त होने और उसमें दो पायलटों की मृत्यु के बाद यह सवाल फिर से उठने लगा है। वायुसेना में मिग-21 के करीब दस साल बाद शामिल किए गए मिग-27 विमानों को फेज आउट किया जा चुका है। लेकिन मिग-21 अभी भी उड़ान भर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वायुसेना में शीर्ष स्तर पर मिग-21 विमानों को फेज आउट करने की योजना बनी थी। 2014, 2017, 2019 तथा 2021 में इन्हें फेज आउट किए जाने की बातें हुईं लेकिन अभी तक इस्तेमाल जारी है। अब 2025 तक इसे चरणबद्ध तरीके से फेज आउट किया जाएगा। वायुसेना के सूत्रों के अनुसार, अभी भी मिग-21 की चार स्क्वाड्रन बची हुई हैं जिनमें 65 लड़ाकू विमान तथा कुछ दो सीट वाले ट्रेनर विमान हैं। हादसे का शिकार हुआ है विमान भी ट्रेनर था। यदि अपग्रेड किए हुए मिग-21 बाइसन विमानों को भी जोड़ लें तो करीब सवा सौ विमान हैं। वायुसेना मिग विमानों को हटाने का फैसला लेती है तो सीधे उसकी चार स्क्वाड्रन कम हो जाएगी। अभी 32 स्क्वाड्रन हैं जबकि 42 होनी चाहिए। 2001-02 के दौरान वायुसेना ने 42 स्क्वाड्रन पूरी कर ली थी। एक स्क्वाड्रन में 18 लड़ाकू विमान होते हैं। यानी 10 स्क्वाड्रन (180 लड़ाकू विमान) की तत्काल जरूरत है पिछले एक दशक में वायुसेना की पांच नई स्क्वाड्रन बनी हैं। इनमें तीन राफेल तथा दो एलसीए तेजस की हैं। सवाल सिर्फ मिग-21 विमानों को फेज आउट करने का नहीं, बल्कि मिराज-जगुआर भी पुराने हो चुके हैं। वायुसेना के पास 49 मिराज तथा 139 जगुआर हैं। उन्हें अपग्रेड करने की योजना है लेकिन उस पर भारी भरकम खर्च आ रहा है। बेहतर समझ यह कहती है कि उन्हें अपग्रेड करने की बजाय नए खरीदे जाएं। लेकिन निर्णय नहीं हो पा रहा है।

निलंबित सांसदों के लिए मुहैया सुविधाएं वापस विपक्ष का आरोप

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि सरकार ने कई ऐसी सुविधाएं वापस ले ली हैं जो संसद परिसर में धरना दे रहे निलंबित सांसदों को मुहैया कराई गई थीं। सूत्रों के अनुसार, निलंबित सदस्यों ने बुधवार को अपना 50 घंटे का धरना शुरू किया था। संसदीय सचिवालय ने उनके लिए दो एंबुलेंस, चिकित्सक, दो ड्राइवर और दो अन्य कर्मचारियों की सुविधा उपलब्ध कराई थी। उन्हें धरना स्थल पर चार पंखे भी उपलब्ध कराने का वादा किया गया था। एक विपक्षी नेता ने कहा जो महिला सांसद यहां देर रात तक रुकी थीं उन्हें हम लोगों ने उनके घर छोड़ा। सुबह में जो लोग पहुंचे उन्हें हमारे निजी वाहनों में लाया गया। ऐसा नहीं है कि हम यह सब नहीं कर सकते, लेकिन सांसदों को ये सुविधाएं दी जाती हैं लेकिन समझ नहीं आ रहा है कि ये सुविधाएं एक दिन दी गई और दूसरे दिन वापस क्यों ले ली गईं। संसदीय पुस्तकालय के शौचालय और एंबुलेंस की सुविधाएं वापस नहीं ली गई हैं। संसदीय सचिवालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जब संसद सत्र चलता है तो सांसद आवागमन सुविधा पाने के हकदार हैं।

साल 2020 में देश भर में दर्ज हुए 47 हजार से अधिक पॉक्सो मामले

नई दिल्ली। देश में बच्चों के खिलाफ यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाना मुश्किल होता जा रहा है। साल 2020 में पॉक्सो एक्ट के तहत कुल 47 हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस मामले में सजा की दर 39.6 फीसदी रही है। अधिनियम के तहत लंबित मामलों पर भारतीय केयुनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सांसद एस वेंकटेशन के सवाल का जवाब देते हुए, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा एकत्रित राज्यवार डेटा को सदन में रखा। पंजीकृत मामलों में उत्तर प्रदेश 6,898 केस के साथ पहले नंबर पर है। इसके बाद महाराष्ट्र (5,687) और मध्य प्रदेश (5,648) है। आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में दोषसिद्धि दर 70.7 फीसदी थी, जबकि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के आंकड़े क्रमशः 30.9 फीसदी और 37.2 फीसदी थे। दूसरी ओर, मणिपुर एकमात्र ऐसा राज्य केंद्र शासित प्रदेश था जहां सजा की दर लगातार तीन सालों तक 100 फीसदी थी। ईरानी ने कहा कि 2020 के अंत तक 170000 मामले लंबित थे, जो कि साल 2018 (108129) की तुलना में 57.4 फीसदी अधिक था। 2020 में, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और चंडीगढ़ में पॉक्सो एक्ट का एक भी मामले दर्ज नहीं हुए थे। हालांकि, बाद में एक केस में चार्जटीश दायर की गई और साल के अंत दो व्यक्तियों पर आरोप लगाया गया है और आठ मामले लंबित रहे। वहीं, गोवा और हिमाचल प्रदेश में सबसे कम पांच-पांच मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, न्याय विभाग 1,023 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) स्थापित करने के लिए एक योजना को अमल में ला रहा है, जिसमें 389 विशेष पॉक्सो अदालतें शामिल हैं, जो बलात्कार और पोक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों की तेजी से सुनवाई और निपटारा करती है। ईरानी ने कहा कि 2022 में 892 एफटीएससी सक्रिय थे, जबकि 2021 में 898 थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉलीवुड गानों के साथ पार्टी करते हुए।

सूरत में भाजपा के वार्ड अध्यक्ष और बख्शी पंच मोर्चा के महासचिव का शराब पीते हुए एक वीडियो

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वार्ड नंबर 16 पुणे (पश्चिम) के बीजेपी के वार्ड अध्यक्ष जयसुख थुम्मर और वार्ड नंबर 16 के बीजेपी के बख्शी पंच मोर्चा के महासचिव शांतिलाल सुतारिया कार्यालय जैसी जगह पर एक पार्टी में बैठे थे . उनमें से एक ने दोनों का शराब पीते हुए वीडियो बना लिया था।

लट्ठा के मुद्दे पर जब प्रदेश में सियासत गरमा गई तो सूरत के वार्ड नंबर 16 पुणे (पश्चिम) बीजेपी के वार्ड अध्यक्ष जयसुख थुम्मर और वार्ड नंबर 16 बीजेपी बख्शी पंच मोर्चा के महासचिव शांतिलाल सुतारिया शराब पीते हुए कैमरे में कैद हो गए. समारोह। वीडियो में दोनों साफ तौर पर शराब का गिलास पकड़े और चर्चा करते नजर आ रहे थे, वहीं वीडियो में बॉलीवुड का एक गाना भी बज रहा था.

जो वीडियो में शराब के गिलास पकड़े और चर्चा करते हुए साफ दिखाई दे रहे थे. वीडियो से दिख रहा था कि पार्टी में एक-दो और लोग भी थे. वीडियो में 'अभी जिंदा हूं तो जी लेने दे, भारी बरसात में जी लेने दे' गाना भी बज रहा था.

पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति देख पति ने प्रेमी को उतारा मौत के घाट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के सरथाणा क्षेत्र में एक युवक अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख आपा खो बैठा और पत्नी के प्रेमी को मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की। जानकारी के मुताबिक सूरत के लसकाणा रामदेव इंडस्ट्रीयल क्षेत्र में शिवम फैसम कंपनी है, जिसमें नेपाल का मूल निवासी दिनेश चौधरी अपनी पत्नी के साथ रहता है। दिनेश की पत्नी के निकट की फैक्ट्री में काम करने वाले और बिहार के मूल के मोहमद अफरीदी शेख के साथ नाजायज संबंध थे। बीते दिन दिनेश चौधरी अपनी पत्नी के साथ सो रहा था। उस वक्त मोहमद अफरीदी ने दिनेश चौधरी को मैसेज कर मिलने के नीचे बुलाया था। मैसेज मिलने के बाद दिनेश की पत्नी मोहमद अफरीदी से मिलने नीचे के कमरे गई थी। इस बीच दिनेश की आंख खुल गई और पत्नी को आसपास न देख वह नीचे के कमरे में पहुंच गया। जहां पत्नी को मोहमद अफरीदी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख दिनेश आगबबूला हो गया। आवेश में आकर दिनेश ने मोहमद की मौके पर हत्या कर दी। घटना की खबर मिलते ही सरथाणा पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दिनेश चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

> **29 तारीख की सुबह, जब अनीता अपने पति के साथ सो रही थी, मोहम्मद अफरीदी ने अनीता को एक संदेश भेजा और उसे मिलने के लिए बुलाया। तो अनीता उससे मिलने नीचे चली गई। उधर, अनीता का पति जब उठा तो उसने अपनी पत्नी की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली।**

ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતે યોજાનાર મટકીફોડ કાર્યક્રમ ને જોવાનો લ્હાવો લેવા

સુરત શહેર ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિના પ્રમુખ શ્રી ગણેશભાઈ પી. સાવંત આમંત્રણ આપતા મટકી ફોડવાનો ભવ્ય કાર્યક્રમ યોજાશે

ક્રાંતિ સમય સમાચાર
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

સુરત,ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતે યોજાનાર મટકીફોડ કાર્યક્રમને જોવાનો લ્હાવો લેવા આમંત્રણ આપતા સુરત શહેર ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિના પ્રમુખ શ્રી ગણેશભાઈ પી. સાવંત એક અખબારી યાદીમાં જણાવે છે કે દર વર્ષની જેમ આ ૨૫માં વર્ષે પણ શ્રીકૃષ્ણ જન્માષ્ટમી નિમિત્તે તારીખ ૧૯-૦૮-૨૦૨૨ને શુક્રવારના રોજ સાંજે ૪:૩૦ કલાકે ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતે ગુજરાત ભાજપ પ્રદેશ પ્રમુખ તેમજ સાંસદ શ્રી સી.આર.પાટીલ સાહેબના અધ્યક્ષ સ્થાને મટકી ફોડવાનો કાર્યક્રમ રાખવામાં આવ્યો છે. સુરત શહેરમાં ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતે દર વર્ષે દહીંહાંડી (મટકીફોડ)નો કાર્યક્રમ ખૂબ જ ધામધૂમ પૂર્વક ઉજવાય છે,પણ છેલ્લા બે વર્ષથી કોરોનાના કારણે મટકીફોડ કાર્યક્રમ ઉજવાયો ન હતો, આગામી ૧૯ ઓગસ્ટના રોજ જન્માષ્ટમીનો તહેવાર યોજાનાર છે ત્યારે આ વર્ષે સુરત શહેર ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિને ૨૫ વર્ષ પૂર્ણ થનાર છે તેમજ આ વર્ષે ગોવિંદા મંડળોની સંખ્યામાં પણ વધારો થયો છે જે કાર્યક્રમને નિહાળવા માટે સુરત શહેર ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિ દ્વારા જાહેર-જનતાને વિશેષ આમંત્રણ આપવામાં આવે છે,

સુરત શહેર ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિના સભ્યો તેમજ ગોવિંદા મંડળોની રવિવારે મળેલી બેઠકમાં જન્માષ્ટમીની ઉજવણીને લઇ વિચાર મંથન થયું હતું જેમાં ૧૯ ઓગસ્ટના રોજ જન્માષ્ટમી નિમિત્તે ભાગળ ચારરસ્તા ખાતે પહેલીવાર એક લાખ રૂપિયાની મટકી ફોડવાનું નિર્ધારીત કરાયું છે,

> **૧૯-૦૮-૨૦૨૨ ને શુક્રવાર ના રોજ સાંજે ૪:૩૦ કલાકે ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતે મટકી ફોડવાનો ભવ્ય કાર્યક્રમ યોજાશે.**

સુરત શહેર ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિના પ્રમુખ શ્રી ગણેશભાઈ સાવંતના જણાવ્યા મુજબ આ વર્ષે ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિને ૨૫ વર્ષ પૂર્ણ થાય છે તે નિમિત્તે ગુજરાત ભાજપ પ્રદેશ પ્રમુખ અને સાંસદ શ્રી સી.આર. પાટીલ દ્વારા રૂપિયા એક લાખનું ઈનામ જાહેર કરવામાં આવેલ છે, જે ગોવિંદા મંડળ વધારે પિરામિડ મારશે તે પ્રમાણે એક લાખની મટકી ફોડવાની તક આપવામાં આવશે તેમાં અંદાજે ૮ પિરામિડ બનશે અને મટકી ૪૦ ફુટ ઊંચી હશે... આ વર્ષે ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતે ૪ મટકી ફોડવામાં આવનાર છે જેમાં અંબાજી રોડનું જય ભવાની મહિલા મંડળ દ્વારા પ્રથમ મટકી ફોડવામાં આવશે. જેઓને પણ ૧૧,૦૦૦નું રોકડ ઇનામ તેમજ ટ્રોફી આપવામાં આવશે...

સુરત શહેર ભાગળ ચાર રસ્તા ખાતેની મુખ્ય મટકી ફોડવાનો લ્હાવો લાલ દરવાજા વિસ્તારના શ્રી લાલ દરવાજા બાળ મિત્ર મંડળને ફાળે ગયો છે, જેઓને ૧૧,૦૦૦નું રોકડ ઇનામ તથા ટ્રોફી આપવામાં આવશે. જેમાં સંયોજક તરીકે અડાજણ વિસ્તારનું બાળગણેશ યુવક મંડળ જોડાશે જેઓને ૫,૧૦૦ રૂપિયાનું રોકડ ઇનામ તથા ટ્રોફી આપવામાં આવશે. આ વર્ષે જય ભવાની સ્પોર્ટ્સ ક્લબને ૫૦ વર્ષ પૂર્ણ થાય છે તે નિમિત્તે દરેક ગોવિંદા મંડળના સર્વ સંમતિથી એમને એક વિશેષ મટકી ફોડવા માટે આપવામાં આવનાર છે,જેઓને ૧૧,૦૦૦ રૂપિયાનું રોકડ ઇનામ તથા ટ્રોફી આપવામાં આવશે. વધુમાં ગણેશભાઈ સાવંતે ઉમેર્યું હતું કે અત્યાર સુધી ૧૨૮ ગોવિંદામંડળોએ ફોર્મ ભર્યા હતા જ્યારે ગત વર્ષ કરતા આ વર્ષે ૪ ગોવિંદા મંડળો નો વધારો થયો છે જેથી હમણાં સુધી ૧૩૨ ગોવિંદા મંડળ નોંધાયા છે, આ કાર્યક્રમના અતિથિવિશેષ તરીકે સુરત શહેરના મેયરશ્રી,સાંસદ શ્રી, સુરત મહાનગર પાલિકાના સભ્ય શ્રી ,ભાજપના ધારાસભ્યોશ્રી, પ્રમુખશ્રી, મહામંત્રી શ્રી, નગરસેવકો શ્રી તથા સમાજના અગ્રણીઓ ઉપસ્થિત રહેશે...

ગોવિંદા ઉત્સવ સમિતિના અગ્રણીઓ દીપક કદમ , અશોક દુધાણે , બાલકૃષ્ણ ચૌહાણ, જયેશ ધોઘરેકર, લક્ષ્મણ ડીગે, ચંદ્રકાંત નિમ્બાલકર,શૈલેષ પવાર,રાજ રણપીસે,દિપક શિંદે ,સંતોષ કદમ, બાપુ લાંબર, મહેશ પાનસરે અને હરીશ પગારે રમેશ ધુમાલ,કમલાકર મોરે તેમજ નલીની શેડગે,કામિની કદમ, જયા સાવંત,પ્રેરણા શિંદે,શીતલ કદમ તેમજ અન્ય સમિતિના અન્ય તમામ હોદ્દેદારોએ સમગ્ર કાર્યક્રમની વિશેષ વ્યવસ્થા ગોઠવી છે...

बोटाद कांड के बाद एक्शन में पुलिस, ड्रोन की मदद से देशी शराब की भट्ठियां पकड़ी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, बोटाद के बरवाला में जहरीली शराबकांड में 50 से अधिक लोगों की मौत के बाद गुजरात पुलिस एक्शन मोड में है और शराब के दूषण को नेस्तनाबूद करने की दिशा में सख्त कदम उठा रही है। सूरत पुलिस ने देशी शराब की भट्ठियों की तलाश में ड्रोन की मदद ली है और उसमें उसे सफलता भी मिली है। सूरत जिले की कामरेज पुलिस ने तापी नदी किनारे सूनसान इलाकों में चल रही शराब की 6 भट्ठियों का ड्रोन की मदद से पता लगा और शराब समेत साधन-सामग्री नष्ट कर दी। कामरेज डिवीजन के पुलिस उपाधीक्षक बीके वनार, कामरेज के पुलिस निरीक्षक आरबी भटोल समेत पुलिस की टीम ने रेड ड्राइव शुरूकी है। यह ड्राइव जब तक देशी शराब का दूषण खत्म नहीं हो जाता तब तक जारी रहेगी। जानकारी के मुताबिक पिछले ३ दिनों में जिला पुलिस ने शराब संबंधित 185 जितने मामले दर्ज करने के साथ ही कुख्यात शराब तस्करों को सलाखों के पीछे धकेलने का अभियान शुरू किया है। पुलिस के एक्शन में आने से शराब माफियाओं में हड़कम्प मच गया है। पिछले 24 घंटों में सूरत पुलिस ने जिले के मांगरोल, कोसंबा, पिपोदरा और कामरेज इत्यादि में ड्रोन की मदद से देशी शराब की भट्ठियों का पर्दाफाश कर माफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही तेज की है।

मामा ने किया नाबालिग भांजी से दुष्कर्म, गर्भवती होने पर मामा के दुष्कृत्य का भांडा फूटा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मामा-भांजी के पवित्र संबंधों को शर्मशार करने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक शख्स ने अपनी नाबालिग भांजी को डरा-धमकाकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। मामा की दुष्कृत्य का उस वक्त भांडा फूट गया जब लड़की गर्भवती हो गई। पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो के तहत केस दर्ज आरोपी को गिरफ्तार करने की दिशा में प्रयास तेज किए हैं। घटना अहमदाबाद के गोमतीपुर क्षेत्र की है। जहां 12वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा अपने ही मामा की हवस का शिकार हुई है। मामा ने पहले भांजी के समक्ष प्रेम का प्रस्ताव किया था, लेकिन उसने इंकार कर दिया। लड़की के इंकार के बाद भी मामा का उसके आना-जाना जारी रहा। दो महीने पहले मामा अपनी भांजी की स्कूल पहुंच गया और मोटर साइकिल पर बिठाकर उसे अपने घर ले गया। जहां मामा ने नाबालिग भांजी को शादी की लालच दी और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। मामा की हवस की शिकार नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई। इसका पता चलने पर मामा ने यह बात किसी को नहीं बताने की धमकी और गर्भपात की दवा भेजने का भरोसा दिलाया। हांलाकि दो महीने के बाद लड़की ने मामा के दुष्कर्म से गर्भवती होने की शिकायत परिजनों से कर दी। जिसे सुनकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। मामला थाने पहुंचने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी मामा को गिरफ्तार करने की दिशा में कोशिशें तेज कर दी हैं।